सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक समृद्धि का केंद्र है कपूरथला पेज: 7

बॉस ऑफिस नंबर और लोगों की राय अस्थाय पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 44 | शुक्रवार 15 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

राजनाथ सिंह की पाकिस्तान को सीधी चेतावनी, नजर उठाई तो वो होगा जो अब तक नहीं हुआ

नई दिल्ली एजेंसी: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को पड़ोसी देश पाकिस्तान को आगाह करते हुए कहा कि यदि उसने फिर से भारत के ऊपर नजर उठाने की जुर्रत करने की कोशिश की तो जो अब तक नहीं हुआ है वह होकर रहेगा। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने दुनिया को साफ संदेश दे दिया है कि हम आतंकवाद को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाओं के ह्यआपरेशन सिंदूरह्न ने नया इतिहास बनाया है। रक्षामंत्री नागौर के मेड़ता कस्बे में राजपूत शासक राव दूदा की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा,शायद पाकिस्तान फिर से भारत की ओर नजर उठाने की जुर्रत ना करे और आज आपको इस धरती से बतलाकर जा रहा हूं कि यदि पाकिस्तान ने फिर से भारत के ऊपर नजर उठाने की जुर्रत करने की कोशिश की तो जो अब तक नहीं हुआ है

भारत, रूस और ईरान ने मिलाया हाथ, जानिये ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में क्या कुछ हुआ खास

नई दिल्ली एजेंसी: नयी दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में वैश्विक अस्थिरता, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री मार्गों की सुरक्षा और बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत बनाने जैसे मुद्दे केंद्र में रहे। भारत ने सम्मेलन के दौरान स्पष्ट रूप से कहा कि मौजूदा वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि व्यावहारिक और समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया अभूतपूर्व भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर से गुजर रही है। संघर्ष, जलवायु संकट, महामारी के बाद की चुनौतियां, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान और बढ़ती

महंगाई ने विकासशील देशों की चिंताओं को और गहरा किया है। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों में ब्रिक्स देशों की एकजुटता विशेष महत्व रखती है और समूह को केवल विचार विमर्श तक सीमित न रहकर प्रभावी तथा समन्वित जवाब तैयार करने होंगे। जयशंकर ने विशेष रूप से पश्चिम एशिया की स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जारी संघर्ष, समुद्री यातायात के लिए खतरे और ऊर्जा ढांचे में व्यवधान वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। जयशंकर ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर जैसे अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में सुरक्षित तथा निर्बाध समुद्री आवाजाही सुनिश्चित करना दुनिया की आर्थिक स्थिरता के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि शांति टुकड़ों में नहीं हो सकती

क्षेत्रीय अखंडता को अंतरराष्ट्रीय संबंधों की बुनियाद बताते.......

विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि संवाद और कूटनीति ही किसी भी संघर्ष के स्थायी समाधान का मार्ग हैं। उन्होंने संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को अंतरराष्ट्रीय संबंधों की बुनियाद बताते हुए कहा कि भारत तनाव कम करने और स्थिरता बहाल करने......

और अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान, नागरिकों की सुरक्षा तथा सार्वजनिक ढांचे को निशाना बनाने से बचना आवश्यक है। विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि संवाद और कूटनीति ही किसी भी संघर्ष के स्थायी समाधान का मार्ग हैं। उन्होंने संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को अंतरराष्ट्रीय संबंधों की बुनियाद बताते हुए कहा कि भारत तनाव कम करने और स्थिरता बहाल करने के हर रचनात्मक प्रयास में योगदान देने के लिए तैयार है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ सहयोग को भी वैश्विक प्राथमिकता बताया और कहा कि सीमा पार आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन है। हम आपको बता दें कि भारत की अध्यक्षता में आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची, ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा, इंडोनेशिया के सुगियोनो और दक्षिण अफ्रीका के रोनाल्ड लामोला सहित कई देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की और वैश्विक सहयोग को मजबूत बनाने पर बल दिया।

देखा जाये तो सम्मेलन ऐसे समय में आयोजित हुआ है जब पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है और इसका असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति तथा व्यापार पर दिखाई देने लगा है। अमेरिका की व्यापार और शुल्क संबंधी नीतियों ने भी उभरती अर्थव्यवस्थाओं की चिंताओं को बढ़ाया है। भारत ने इस पृष्ठभूमि में भरोसेमंद आपूर्ति शृंखला और विविध बाजारों की आवश्यकता पर जोर दिया।

पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी का बड़ा ऐलान, सरकारी स्कूलों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य

नई दिल्ली एजेंसी: मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को घोषणा की कि पश्चिम बंगाल के सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में 18 मई से वंदे मातरम गाना अनिवार्य होगा। मीडिया से बात करते हुए अधिकारी ने कहा कि निजी विद्यालयों से भी इसे अपनाने का अनुरोध किया गया है और इस संबंध में औपचारिक सूचना आज बाद में जारी की जाएगी। अधिकारी ने कहा कि सोमवार से सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में वंदे मातरम अनिवार्य होगा। निजी स्कूलों में भी इसे शामिल करने की अपील की गई है। इस संबंध में आज औपचारिक नोटिस जारी किया जाएगा। एक अलग घटनाक्रम में, अधिकारी ने पश्चिम बंगाल

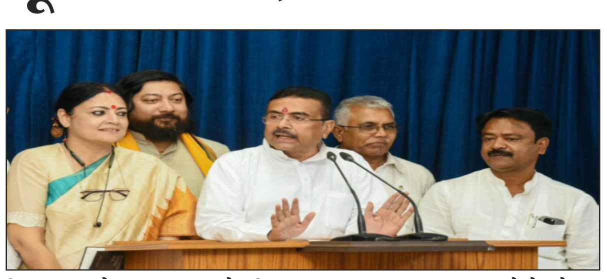

विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक रथेंद्र बोस के नामांकन के बारे में भी बात की और परंपरा के अनुसार सर्वसम्मति बनाए रखने का आग्रह किया। बोस की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे एक समर्पित पार्टी कार्यकर्ता हैं और पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। उन्होंने आगे कहा कि वे इस भूमिका में प्रशासनिक समझ और संगठनात्मक अनुभव दोनों लेकर आएंगे। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने कभी विधायक, मंत्री या अध्यक्ष जैसे किसी पद के लिए आवेदन नहीं किया। पार्टी ने उनकी निष्ठा को पहचाना है। वे चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और इस जिम्मेदारी को संभालने के लिए उनमें आवश्यक क्षमता है। हम उनके नेतृत्व के लिए सभी पक्षों से सहयोग चाहते हैं। उन्होंने विपक्ष से संसदीय परंपरा का पालन करते हुए निर्विरोध स्पीकर चुनाव सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा, "पश्चिम बंगाल में स्पीकर का चुनाव पारंपरिक रूप से सर्वसम्मति से होता आया है। मुझे उम्मीद है कि विपक्ष इस परंपरा को जारी रखेगा।" उन्होंने बताया कि स्पीकर का चुनाव शुक्रवार को सुबह 11 बजे होगा। पार्टी सूत्रों द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, कूचबिहार दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के प्रतिनिधि रथेंद्र बोस ने हाल ही में हुए चुनावों में तृणमूल कांग्रेस के अपने प्रतिद्वंद्वी को 23,000 से अधिक वोटों के अंतर से हराकर जीत हासिल की। 2026 के विधानसभा चुनावों के परिणामों ने भाजपा को निर्णायक जनादेश दिया है

नीट-यूजी पेपर लीक पर देश भर में बवाल, दिल्ली में छात्रों का उग्र विरोध, सरकार से मांगे जवाब

नई दिल्ली एजेंसी: परीक्षा पेपर लीक होने के आरोपों के बाद राष्ट्रीय राजधानी में छात्रों और संगठनों ने नीट-यूजी परीक्षा रद्द किए जाने के विरोध में अपना प्रदर्शन तेज कर दिया है, जिससे लोगों में गुस्सा और निराशा बढ़ती जा रही है। प्रदर्शनकारी राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (नीट) के कार्यालय के बाहर जमा हुए और अपना असंतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों से जवाबदेही की मांग की। वैकल्पिक राजनीति के छात्रों के संगठन (यथाशीघ्र) के एक प्रवक्ता ने बार-बार परीक्षा में गड़बड़ी होने के लिए मौजूदा प्रशासन की आलोचना करते हुए दावा किया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में यह चौथी या पांचवीं ऐसी घटना है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ के नेतृत्व में जंतर-मंतर पर

अतिरिक्त विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां दिखाईं और केंद्रीय शिक्षा मंत्री को हटाने सहित कई मांगें रखीं। इस विरोध के जवाब में, राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एनटीए) ने एनईटी-यूजी 2026 परीक्षा को पुनर्निर्धारित करने की घोषणा की। इस बीच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कथित नीट-यूजी 2026 प्रश्नपत्रलीक मामले में गिरफ्तार किए गए सभी पांच आरोपियों को बृहस्पतिवार को दिल्ली की एक अदालत के समक्ष पेश किया। अधिकारियों ने बताया कि मामले में कथित संलिप्तता के आरोप में विभिन्न राज्यों से गिरफ्तार किये गए पांचों आरोपियों को सीबीआई मामलों के विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता की अदालत में पेश किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान नासिक (महाराष्ट्र)के शुभम खैरनार, जयपुर (राजस्थान) के मांगीलाल बिवाल, विकास बिवाल और दिनेश बिवाल और गुरुग्राम (हरियाणा) के यश यादव के रूप में हुई है। सीबीआई खैरनार (30) की दो दिवसीय ट्रांजिट रिमांड मुंबई की अदालत से प्राप्त करने के बाद दिल्ली लेकर आई है। महाराष्ट्र के नासिक जिले के नंदगांव निवासी खैरनार कथित तौर पर प्रश्नपत्र लीक में शामिल थे। सीबीआई ने इससे पहले मुंबई की अदालत में खैरनार की ह्यट्रांजिट रिमांड मांगते हुए दलील दी थी किकई राज्यों के व्यक्तियों की संलिप्तता का संदेह है और जांच के लिए उसेहिरासत में लेकर पूछताछ की जरूरत है। राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2026 परीक्षा तीन मई को आयोजित की गई थी।

असम मंत्रिमंडल में विभागों का बंटवारा, सीएम हिमंत ने बांटे मंत्रालय, जानिए किसे क्या मिला

असम एजेंसी: लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के दो दिन बाद, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने गुरुवार को नए मंत्रिमंडल में उनके साथ शपथ लेने वाले चार मंत्रियों को विभागों का आवंटन किया। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य द्वारा जारी एक नोट के माध्यम से इन विभागों के आवंटन की घोषणा की गई। नोट में कहा गया, मुझे आपका पत्र प्राप्त हुआ है... जिसमें मंत्रिपरिषद के सदस्यों को विभागों के आवंटन का प्रस्ताव है... मैं आपके द्वारा सुझाए गए प्रस्ताव को मंजूरी देता हूं। राजकब में नए शामिल हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री रामेश्वर तेली, जो चाय बागान जनजाति समुदाय से आते हैं। रूपांतरण एवं विकास, श्रम कल्याण और चाय बागान जनजाति एवं आदिवासी कल्याण विभाग आवंटित किए गए हैं। वर्तमान मंत्रिमंडल में एकमात्र महिला मंत्री अजंता नियोग को पर्यटन और महिला एवं बाल

विकास विभागों का प्रभार दिया गया है। पिछली सरकार में नियोग ने महिला एवं बाल विकास के अलावा वित्त विभाग भी संभाला था। गठबंधन सहयोगी असम गण परिषद के अध्यक्ष अतुल बोरा को पंचायत एवं ग्रामीण विकास, असम समझौते का कार्यान्वयन, सीमा सुरक्षा एवं विकास और उत्पाद शुल्क विभाग आवंटित किए गए हैं। पिछली सरकार में बोरा ने कृषि और बागवानी, सीमा सुरक्षा और विकास तथा असम समझौते के कार्यान्वयन विभागों का कार्यभार संभाला था। सरमा ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि वे किन विभागों को बरकरार रखेंगे। परंपरा के अनुसार, जिन विभागों को किसी मंत्री को आवंटित नहीं किया जाता, वे मुख्यमंत्री के प्रभार में रहते हैं। बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के चरण बोरो को परिवहन और बोडोलैंड क्षेत्र के कल्याण विभाग सौंपे गए हैं - ये दोनों विभाग वे पिछली कैबिनेट में भी संभाल चुके हैं। सरमा ने पहले घोषणा की थी कि रणजीत कुमार दास, जिन्होंने पिछली कैबिनेट में पंचायत और ग्रामीण विकास एवं पर्यटन विभाग संभाले थे

कोविड विरोध मामला में तेजस्वी यादव को जमानत, बोले- 'ये विपक्ष को दबाने का झूठा केस था'

पटना: आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को गुरुवार को पटना की एमपी-एमएलए अदालत से कोविड-19 महामारी के दौरान हुए एक विरोध प्रदर्शन से जुड़े मामले में जमानत मिल गई। महामारी के दौरान पटना प्रशासन ने धरने से संबंधित कथित उल्लंघनों के आरोप में यह मामला दर्ज किया था। अदालत से बाहर आने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने दावा किया कि यह मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित है और इसे महामारी के दौरान विपक्ष को सार्वजनिक मुद्दों को उठाने से रोकने के लिए दायर किया गया एक झूठा मामला बताया। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमें जमानत मिल गई है। आप सभी जानते हैं कि यह मामला प्रशासन द्वारा कोविड काल में दर्ज किया गया था। झूठा मामला इसलिए दर्ज किया गया ताकि हम उस समय सार्वजनिक मुद्दे न उठा सकें। यह एक विरोध प्रदर्शन से संबंधित था। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान प्रवासी श्रमिकों और आम नागरिकों को झेलनी पड़ी कठिनाइयों को उजागर करने के लिए यह विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया था। तेजस्वी यादव ने कहा कि परिवहन सुविधाओं की कमी के कारण महामारी के दौरान बिहार के कई लोगों को पैदल ही अपने घर लौटना पड़ा और आरोप लगाया कि इस दौरान श्रमिकों को भारी कष्ट सहना पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि आप जानते हैं कि बिहार के लोग पैदल लौट रहे थे। ट्रेनों की कोई उचित व्यवस्था नहीं थी। कई मजदूरों को कष्ट सहना पड़ा और उनकी जान चली गई। हमने नियमों का पालन करते हुए विरोध प्रदर्शन किया और जनता की चिंताओं को उठाया, लेकिन सरकार ने हमारे खिलाफ झूठा मामला दर्ज कर लिया।

एम.के. स्टालिन का सीएम विजय पर सीधा हमला, पूछा- महिलाओं के 1000 रुपये देने में देरी क्यों?

नई दिल्ली एजेंसी: पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने गुरुवार को नव निर्वाचित मुख्यमंत्री विजय से कलाइग्नार मगलीर उरिमाई थिट्टम (कलाकार महिला अधिकार योजना) की राशि 15 मई तक जारी करने का आग्रह किया। एक पोस्ट में एमके स्टालिन ने मई महीने की राशि जारी करने में हो रही देरी को लेकर टीवीके सरकार पर सवाल उठाया। उन्होंने लिखा कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय, मई महीने की कलाकार महिला अधिकार योजना की राशि 15 तारीख तक जमा कर दी जानी चाहिए। मौजूदा योजना को जारी रखने में अब देरी क्यों? आप क्या पुनर्गठन करने की योजना बना रहे हैं? क्या आपने कल ही विधानसभा में यह नहीं कहा था कि द्रविड़ मॉडल सरकार की कल्याणकारी योजनाएं जारी रहेंगी? टीवीके के चुनाव प्रचार के दौरान 60 वर्ष तक की सभी महिला मुखियाओं को 2,500 रुपये देने के वादे पर विजय पर कटाक्ष करते हुए

स्टालिन ने कहा कि 2,500 रुपये प्रति माह देने की घोषणा के बाद, 1,000 रुपये भी न देकर टालमटोल करना क्या आपका बदलाव कहलाता है? यह बयान तमिलनाडु मुख्यमंत्री कार्यालय के उस बयान के बाद आया है जिसमें कहा गया है कि मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने आदेश दिया है कि "कलाकार महिला अधिकार कोष के तहत मई 2026 की राशि जल्द ही लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा कर दी जाएगी। इस बीच, सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार महिला लाभार्थियों के खातों में 1000 रुपये की मासिक सहायता राशि जारी करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि नई सरकार द्वारा वर्तमान राशि को वादे के अनुसार 2500 रुपये तक बढ़ाने तक सहायता राशि में कोई रुकावट न आए।

मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने सचिवालय में वित्त सचिव और उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पिछली डीएमके सरकार के दौरान महिला लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की गई 1,000 रुपये की राशि समय पर जारी की जाए।

अमित शाह से मिलने पहुँचे सीएम योगी आदित्यनाथ, यूपी चुनाव और राजनीतिक नियुक्तियों से जुड़े मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली एजेंसी: भाजपा ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए कमर कस ली है और इस कड़ी में सबसे पहले पार्टी कार्यकताओं का उत्साह बढ़ाने के लिए कई कदम उठाये जाएंगे। बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न निगमों और आयोगों में खाली पड़ी राजनीतिक नियुक्तियां जल्द ही की जाएंगी। इसी सिलसिले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। हाल ही में अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करने के बाद यह योगी की पहली दिल्ली यात्रा थी। बताया जा रहा है कि योगी और शाह की मुलाकात आधे घंटे से ज्यादा समय तक चली। माना जा रहा है कि इस दौरान नये बनाये गये मंत्रियों के विभागों को लेकर भी चर्चा हुई। पार्टी सूत्रों का कहना है कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा पार्टी संगठन की सारी कमजोरियों को दूर कर लेना चाहती है और पार्टी नेताओं और कार्यकताओं की नाराजगी भी दूर करना चाहती है जिसके लिए आने वाले दिनों में तमाम कदम उठाए जाएंगे। बताया जा रहा है कि जल्द ही पार्टी संगठन, निगमों और आयोगों में जो नियुक्तियां होने जा रही हैं उनमें सामाजिक संतुलन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और सहयोगी दलों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया जायेगा। हम

आपको यह भी बता दें कि हाल ही में पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन के साथ पूर्वी भारत में अपना वर्चस्व स्थापित करने के बाद भाजपा की नजर अब 2027 में होने वाले सात राज्यों के विधानसभा चुनावों पर है, जिनमें गुजरात, गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश प्रमुख हैं। पार्टी ने इन राज्यों में चुनाव की तैयारियां पहले ही शुरू कर दी हैं और पार्टी अध्यक्ष नितिन

हाल ही में पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन के साथ पूर्वी भारत में अपना वर्चस्व स्थापित करने के बाद भाजपा की नजर अब 2027 में होने वाले सात राज्यों के विधानसभा चुनावों पर है, जिनमें गुजरात, गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश प्रमुख हैं।

नवीन ने अगले वर्ष के चुनावी अभियान के लिए जमीनी स्तर पर काम प्रारंभ कर दिया है। भाजपा के एक सूत्र ने कहा, ह्लपांच राज्यों के चुनाव संपन्न होने के बाद अब पार्टी का ध्यान अगले वर्ष सात राज्यों में होने वाले चुनावों पर केंद्रित हो गया है। कुछ स्तर पर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, जिन्हें अब और तेज किया जाएगा।ह्व पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन गोवा, गुजरात और उत्तर प्रदेश का दौरा कर विभिन्न कार्यक्रमों में भाग ले चुके हैं और इस दौरान उन्होंने पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियों व नेताओं के साथ बंद कमरे में बैठकें कर चुनावी रणनीति पर चर्चा की है। वह जल्द ही उत्तराखंड का दौरा करेंगे, जहां अगले वर्ष गोवा, गुजरात, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश के साथ चुनाव होने हैं। हम आपको बता दें कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में भाजपा की सरकार है, जबकि पंजाब में आम आदमी पार्टी और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सत्ता में है। बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश भाजपा की गतिविधियों का केंद्र रहने वाला है। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, तमाम केंद्रीय मंत्रियों सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के अब लगातार यूपी के दौरे होते रहेंगे जिससे पार्टी कार्यकताओं में जोश बना रहे। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को उत्तर प्रदेश में खासा नुकसान उठाना पड़ा था इसलिए भाजपा नेतृत्व उत्तर प्रदेश के राजनीतिक समीकरणों को लेकर खासा सतर्क है। माना जा रहा है कि यूपी के मामलों को सीधे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह देखेंगे ताकि राज्य विधानसभा चुनावों में भाजपा की हैट्रिक में कोई कमी नहीं रह जाये।

संपादकीय

दवा नहीं दिल में खोट

पिछले दिनों सामने आई वह खबर विचलित कर गई कि दिल और रक्तचाप नियंत्रण की दवाइयों में गुणवत्ता की गिरावट पायी गई है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ की ओर से मार्च माह के लिए जारी ड्रग अलर्ट में देश में बनी कई दवाइयों की क्वालिटी को लेकर सवाल उठे हैं। रिपोर्ट डराती है कि कुल 141 दवाओं के नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं। इनमें शुगर, हार्ट, उच्च रक्तचाप, मिर्गी जैसे गंभीर रोगों का उपचार करने वाली दवाइयां भी शामिल हैं। इनमें इंजेक्शन व कफ सिरप भी शामिल हैं। कमोबेश यही स्थिति विटामिन व आयरन की गोलियों की भी रही। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई। इतना ही नहीं, टूथपेस्ट, मेहंदी व साबुन के नमूने तक फेल हुए हैं। कह सकते हैं कि दवा के नाम पर दर्द देने का कारोबार देश के विभिन्न भागों में खूब फल-फूल रहा है, जो नियामक एजेंसियों की कारगुजारियों पर सवाल उठाता है। कह सकते हैं कि यह अब सिर्फ स्वास्थ्य का ही मुद्दा नहीं रहा, यह जिंदगियों से खिलवाड़ के साथ देश की अर्थव्यवस्था को भी चोट पहुंचाता है।

निस्संदेह, घटिया दवाओं से किसी का बीमार होना एक व्यक्ति या परिवार की ही त्रासदी नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि कोई व्यक्ति सेहत सुधारने के लिए महंगी दवा का सेवन करे और उपचार के बाद और बीमार हो जाए। ये मरीज के विश्वास के साथ भी छल जैसा है। यह देश में सक्रिय खतरनाक तंत्र की ओर भी इशारा है जो पूरे देश में नकली व घटिया दवाओं के उत्पादन व आपूर्ति से जुड़ा है। वे चिकित्सक भी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते जो ऐसी संदिग्ध दवाइयां मरीजों के उपचार के लिए लिखते हैं, जिनकी गुणवत्ता को लेकर शंका रहती है। कोरोना काल में हमने देखा था कि चंद रुपयों के लालच में घातक बीमारियों से ग्रस्त लोगों को नकली रेमडेसिविर के इंजेक्शन बेचे गए। कितना शर्मनाक है कि जानलेवा कैंसर की दवाइयों में घटिया व सस्ती एंटी-फंगल दवा मिलाकर बेची जा रही थी। गुरुग्राम में पिछले दिनों वजन घटाने वाले नकली इंजेक्शनों की बड़ी खेप बरामदगी हुई। देश में घातक दवाओं को बेचने वाला एक तंत्र सुनियोजित तरीके से काम कर रहा है। कोई मरे या जीए, उनकी बला से। उन्हें तो अपने मुनाफे से मतलब है। दरअसल, यह संकट एक राज्य का नहीं, पूरे देश के सामने मौजूद है। नियामक एजेंसियों की लापरवाही, कड़े कानूनों का अभाव व दोषियों को समय पर कड़ी सजा न मिलना इस अमानवीय धंधे के फलने-फूलने की वजह बन रहा है।

चिंतन-मनन

दूसरे की गलती

एक बार गुरु श्यामानंद ने अपने चार शिष्यों को एक पाठ पढ़ाया। पढ़ाने के बाद वह अपने शिष्यों से बोले, अब तुम चारों इस पाठ का बार-बार अध्ययन कर इसे याद करो। इस बीच यह ध्यान रखना कि तुम में से कोई बोले नहीं। थोड़ी देर बाद मैं तुमसे इस पाठ के बारे में बात करूंगा। यह कहकर श्यामानंद वहां से चले गए। उनके जाने के बाद चारों शिष्य अलग-अलग बैठकर पाठ का अध्ययन करने लगे।

अचानक बादल घिर आए और वर्षा की संभावना बन गई। यह देखकर एक शिष्य बोला, लगता है, तेज बारिश होगी। यह सुनकर दूसरे ने कहा, तु?हें बोलना नहीं चाहिए था। तभी तीसरा बोला, तुम लोगों ने बोलकर गुरुजी की आज्ञा भंग कर दी है। चौथा शिष्य चुपचाप पाठ पढ़ता रहा। इसी बीच श्यामानंद वहां आ गए। उन्हें देखकर पहला शिष्य बोला, गुरुजी, यह मौन नहीं रहा और बोलने लगा। दूसरा शिष्य बोल पड़ा, तो तुम कौन सा मौन थे। तुम भी तो बोल पड़े थे। तीसरे ने कहा, इन दोनों ने बोलकर आपकी आज्ञा भंग कर दी है। यह सुनकर दोनों तपाक से बोले, तुम भी तो बोल ही पड़े थे। मगर चौथा शिष्य अभी भी चुप था।

उसे देखकर गुरुजी बोले, तुम में से केवल इसने ही मेरी आज्ञा मानी। यह निश्चय ही आगे चलकर बड़ा और महत्वपूर्ण कार्य करेगा क्योंकि इसके भीतर पर्याप्त धैर्य और एकाग्रता है। यह किसी के बहकावे में नहीं आता न ही किसी क्षणिक हलचल से विचलित होता है। तुम तीनों के भविष्य को लेकर मुझे शंका है क्योंकि तुम तीनों एक दूसरे का दोष निकालने के कारण स्वयं भी गलती कर बैठे। अधिकतर लोग ऐसा ही करते हैं। वे दूसरे को उसकी गलती बताने के चक्कर में स्वयं भी गलती कर बैठते हैं और फिर स्वयं कब गलत मार्ग पर चलने लगते हैं, इसका उन्हें आभास तक नहीं होता। यह सुनकर तीनों शिष्यों का सिर शर्म से झुक गया।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भगत सिंह के मस्तिष्क शहीद सुखदेव को हमने कितना याद रखा?

दिलीप कुमार पाठक

इतिहास की एक अजीब फितरत होती है। वह कभी-कभी किसी महानायक के महाकाय प्रभाव में उसके सबसे बड़े मददगार और हमसफर को परदे के पीछे धकेल देता है। 23 मार्च 1931 की शाम को जब लाहौर की सेंट्रल जेल में तीन नौजवान फांसी के फंदे की तरफ बढ़ रहे थे, तब भारत की जुबान पर एक नाम ऐसा चढ़ा कि बाकी दो नाम उसके साए में थोड़े सिमट गए। हम बात कर रहे हैं क्रांति के तीन शहीदों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की। इस अटूट तिकड़ी में भगत सिंह क्रांति का चमकता हुआ चेहरा थे और राजगुरु अचूक निशानेबाज, लेकिन इन सबके पीछे जो बेहद शांत, गंभीर और तीखा दिमाग काम कर रहा था, वह नाम था क्रांतिकारी सुखदेव थापर का।

आज 15 मई को उनकी जयंती पर यह सोचना बहुत जरूरी है कि इस जमीनी रणनीतिकार को हमने अपनी यादों और इतिहास में कितना स्थान दिया। पंजाब के लायलपुर में जन्मे सुखदेव और भगत सिंह सिर्फ साथ में देश के लिए लड़ने वाले साथी नहीं थे, बल्कि दोनों के बीच एक बेहद गहरी और बेमिसाल दोस्ती थी। लाहौर के नेशनल कॉलेज के दिनों से शुरू हुआ यह साथ देश की आजादी का सबसे बड़ा हथियार बन गया। जब देश में नौजवानों को एकजुट करने के लिए हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन का गठन हुआ, तो पंजाब की पूरी जिम्मेदारी सुखदेव को सौंपी गई। यहीं से उनके संगठन बनाने और उसे चलाने के लाजवाब हुनर की शुरूआत होती है। वे कागजों पर बड़ी-बड़ी योजनाएं बनाने और उन्हें चुपचाप जमीन पर सच कर दिखाने में माहिर थे।अक्सर स्कूल-कॉलेज की किताबों में सुखदेव को भगत सिंह के एक साथी के रूप में ही दिखाकर छोड़ दिया जाता है, जो उनके साथ एक तरह की नाइंसाफी है। असलियत तो यह है कि ब्रिटिश पुलिस ने जब अदालत में मशहूर लाहौर षड्यंत्र केस का मुकदमा दर्ज किया था, तो उसकी पहली एफआईआर में आरोपी नंबर एक कोई और नहीं, बल्कि खुद सुखदेव थापर थे। अंग्रेज सरकार भी बहुत अच्छी तरह जानती थी कि इस पूरी सशस्त्र क्रांति की डोर असल में किसके हाथ में है।

लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए जब जेपी सांडर्स को सजा देने की योजना बनी, तो उसके पीछे असली दिमाग सुखदेव का ही था। उन्होंने ही राजगुरु और भगत सिंह को इस बड़े मिशन के लिए तैयार किया, उनके छिपने के गुप्त ठिकाने ढूंढे और काम पूरा होने के बाद वहां से सुरक्षित निकलने का पूरा रास्ता साफ किया। सुखदेव कभी वाहवाही लूटने या अखबारों की सुर्खियों में रहने वाले नेता नहीं थे। वे खुद को हमेशा पीछे रखकर संगठन को मजबूत करते रहे, गलियों-कस्बों में जाकर युवाओं के दिलों में आजादी की अलख जगाते रहे। सुखदेव के बारे में इतिहास का एक पन्ना ऐसा भी है जो अमूमन चचाओं से गायब रहता है। जेल की कालकोठरी में रहते हुए जब राजनीतिक कैदियों के मानवीय अधिकारों का हनन हुआ, तब सुखदेव ने जेल प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। उन्होंने जेल के भीतर बिना अन्न-जल के लगातार 63 दिनों तक ऐतिहासिक भूख हड़ताल की थी। इस कड़े और जानलेवा उपवास ने ब्रिटिश हुकूमत के क्रूर रवैये को पूरी दुनिया के सामने बेनकाब कर दिया था। इस बात से सिद्ध हो जाता है कि वे सिर्फ बम और पिस्तौल की रणनीति ही नहीं जानते थे, बल्कि वैचारिक और सत्याग्रही मोर्चे पर भी उनका कोई सानी नहीं था। उनकी सोच कितनी खुली और साफ थी, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वे किसी भी तरह के अंधविश्वास और रूढ़ियों के सख्त खिलाफ थे। जेल की सलाखों के पीछे रहते हुए उन्होंने महात्मा गांधी को एक खुला खत लिखा था, जिसमें उन्होंने देश के युवाओं की दशा पर बेहद कड़े और सीधे सवाल पूछे थे। यह चिट्ठी बताती है कि उनका दिल देश के भविष्य के लिए कितना तड़पता था। लेकिन आजादी मिलने के बाद हमारे देश के नीति-निमार्ताओं और इतिहासकारों ने सुखदेव के योगदान को वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। हमने उन्हें सिर्फ एक शहीद तिकड़ी के हिस्से के रूप में याद रखा। फिल्मों से लेकर बड़े-बड़े सरकारी विज्ञापनों तक में उन्हें वह मुख्य स्थान कभी नहीं मिल पाया। सुखदेव का जीवन हमें सिखाता है कि असली काम शोर मचाकर नहीं, बल्कि शांत रहकर किया जाता है। सुखदेव सिर्फ 23 साल की उम्र में देश पर न्योछावर हो गए। 15 मई का यह दिन देश के उस सच्चे सिपाही को सलाम करने का दिन है जिसने परदे के पीछे रहकर आजादी की सबसे बड़ी इबारत लिखी थी।

वैश्विक संकटों के दौर में परिवार ही रिश्तों की अंतिम शरणस्थली

ललित गर्ग

हर वर्ष 15 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक मानवीय रिश्तों का उत्सव ही नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को उसकी जड़ों की याद दिलाने का अवसर है। यह दिन हमें बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक, तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य की सबसे पहली जरूरत आज भी परिवार ही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है।

आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैंकृपति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच। संवाद टूट रहे हैं, सहनशीलता घट रही है और ह्यमैंह्ण का अहंकार ह्यहमह्ण की भावना को निगलता जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, वह जीवन-मूल्यों का विद्यालय है। वहीं मनुष्य पहली बार प्रेम सीखता है, त्याग सीखता है, सहयोग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व की भावना सीखता है। यदि परिवार स्वस्थ है तो समाज स्वस्थ होगा, समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र और विश्व भी संतुलित रहेंगे। इसलिए आज आवश्यकता केवल परिवार बचाने की नहीं, बल्कि परिवारों को मूल्यनिष्ठ बनाने की है।

आज जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, जीवन की आवश्यकताएं महंगी होती जा रही हैं और बेरोजगारी युवाओं के सपनों को तोड़ रही है, तब संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक बनती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का भी आधार है। वहां संसाधनों का साझा उपयोग होता है, जिम्मेदारियां बांटी जाती हैं और संकट अकेले व्यक्ति पर नहीं टूटता। अकेलेपन से उपजी अवसाद की समस्याएं संयुक्त परिवारों में अपेक्षाकृत कम दिखाई देती हैं क्योंकि वहां संवाद और अपनापन जीवित रहता है। वास्तव में आधुनिक सभ्यता ने स्वतंत्रता तो दी, लेकिन उस स्वतंत्रता ने कई बार व्यक्ति को संबंध-विहीन भी बना दिया। महानगरों के छोटे-छोटे फ्लैटों में रहने वाले हजारों लोग आर्थिक रूप से संपन्न होकर भी भीतर से बेहद अकेले हैं। वृद्ध माता-पिता उपेक्षा के शिकार हैं, बच्चे संस्कारों से दूर हो रहे हैं और पति-पत्नी के बीच संबंधों की ऊष्मा कम होती जा रही है। यही कारण है कि मानसिक रोग, तनाव, असुरक्षा और आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, परिवार संस्था के कमजोर पड़ने का संकेत है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार को केवल उपभोग और सुविधा का केंद्र न बनाकर उसे ह्लअहिंसा की प्रयोगशालाह्व बनाया जाए। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाना नहीं है। कठोर शब्दों से बचना, अपमान न करना, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, क्रोध पर संयम रखना, संवाद बनाए रखना और क्षमा का अभ्यास करना भी अहिंसा है। यदि परिवार के भीतर हिंसक भाषा, कटुता, अपमान और असहिष्णुता होगी तो समाज में शांति की कल्पना कैसे की जा सकती है? परिवार वह पहला स्थान होना चाहिए जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा का पाठ सीखे। जहां उसे यह सिखाया जाए कि जीवन प्रतियोगिता नहीं, सह-अस्तित्व है। जहां बुजुर्ग बोझ नहीं, अनुभवों की धरोहर माने जाएं। जहां स्त्री को सम्मान मिले, बच्चों को संस्कार मिले और युवाओं को विश्वास मिले। आज दुनिया में बढ़ती हिंसा का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिवारों में संवाद और संवेदना कमजोर हो रही है। बच्चे मोबाइल से बातें कर रहे हैं, लेकिन माता-पिता से नहीं। परिवार साथ रहते हुए भी भीतर से बिखर रहा है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को असुरक्षित बना दिया है। यूक्रेन-रूस युद्ध हो या पश्चिम एशिया के संघर्ष, इन सबका सबसे अधिक प्रभाव परिवारों पर ही पड़ता है। लाखों लोग विस्थापित हो जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और महिलाएं असुरक्षा का सामना करती हैं। इन वैश्विक संकटों के बीच परिवार ही वह इकाई है जो टूटे हुए मनुष्य को फिर जीने का साहस देती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र इस वर्ष परिवार-केंद्रित नीतियों पर विशेष बल दे रहा है। क्योंकि सतत विकास केवल आर्थिक विकास से संभव नहीं, बल्कि मजबूत और मूल्यनिष्ठ परिवारों से ही संभव है।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति भी उसका परिवार तंत्र रहा है। यहां परिवार केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्था है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य केवल युद्ध कथाएं नहीं, बल्कि पारिवारिक मूल्यों, संबंधों, कर्तव्यों और त्याग की महान गाथाएं हैं। भारतीय जीवनदृष्टि ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व की बात करती हैकृअर्थात पूरी पृथ्वी ही परिवार है। यदि इस भावना को व्यवहार में उतारा जाए तो युद्ध, हिंसा, आतंक और घृणा की कोई जगह नहीं बचेगी। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज परिवारों में भी उपभोक्तावादी संस्कृति प्रवेश कर चुकी है। रिश्तों को भी लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाने लगा है। सहनशीलता कम हो रही है और अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। छोटी-छोटी बातों पर टूटते संबंध इस बात का संकेत हैं कि हमने सुविधा तो बढ़ाई, लेकिन संवेदना खो दी। जबकि परिवार की असली ताकत संपत्ति नहीं, बल्कि विश्वास होता है। जहां विश्वास बचा रहता है, वहां अभाव भी उत्सव बन जाते हैं; और जहां विश्वास टूट जाता है, वहां वैभव भी बोझ बन जाता है।

आज परिवारों को नई दिशा देने की आवश्यकता है। घरों में सामूहिक भोजन की परंपरा लौटे, संवाद का समय तय हो, बुजुर्गों के अनुभवों को महत्व मिले, बच्चों को केवल करियर नहीं बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा मिले। परिवारों में क्रोध के स्थान पर करुणा, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग और अधिकार के स्थान पर कर्तव्य की भावना विकसित करनी होगी। यही परिवार को अहिंसा की प्रयोगशाला बना सकता है। दरअसल, भविष्य की सबसे बड़ी लड़ाई हथियारों की नहीं, मूल्यों की होगी। जिस समाज के परिवार टूट जाएंगे, वहां सामाजिक स्थिरता भी नहीं बचेगी। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। हमें सोचना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसी दुनिया देना चाहते हैंकृघृणा और अकेलेपन की दुनिया या प्रेम और विश्वास की दुनिया? यदि परिवारों में प्रेम, संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और साझेदारी का वातावरण बनेगा तो दुनिया के बड़े से बड़े संकटों का सामना किया जा सकता है। परिवार केवल एक सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का आश्रय है। वह जीवन की तपती धूप में शीतल छांव है, संघर्षों में सहारा है और टूटते विश्वासों के बीच उम्मीद की अंतिम किरण है। इसलिए आज सबसे बड़ी जरूरत हैकृपरिवार को बचाने की नहीं, परिवार के भीतर मानवीय मूल्यों को बचाने की। यही मानवता का भविष्य सुरक्षित करेगा और यही अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस का वास्तविक संदेश भी है।

डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनफिंग की मुलाकात के कूटनीतिक मायने शेष दुनिया के लिए अहम

सफल कारोबारी से राजनेता बने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने हर रिश्ते को फायदे और नुकसान के नजरिये से देखते है, लेकिन कूटनीतिक इंजीनियर समझे जाने वाले चीन के अपने दौरे को लेकर उन्होंने केवल इतना भर कहा कि यह सिर्फ व्यापार नहीं, वैश्विक रणनीतिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण है। चूंकि अमेरिका और चीन एक दूसरे के सहयोगी और प्रतिस्पर्धी दोनों समझे जाते हैं, इसलिए लगभग एक दशक के अन्तराल पर हुई उनकी यह यात्रा के कूटनीतिक मायने अहम समझे जाते हैं, क्योंकि उनकी इस मुलाकात की सफलता और विफलता का असर पूरी दुनिया पर निःसंदेह पड़ेगा।

गौरतलब है कि पिछले साल यानी अक्टूबर 2025 में जब आखिरी बार ट्रंप की चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात हुई थी, तब उनके बीच मुख्य मुद्दा टैरिफ था, लेकिन अब बदलते वैश्विक हालात में जाहिर तौर पर ईरान भी होगा। क्योंकि पश्चिम एशिया संकट ने दोनों देशों के लिए मुश्किलें बढ़ाई है। इसलिए स्वाभाविक बात है कि आपसी तनाव के बावजूद वे सहयोग का रास्ता तलाशने की कोशिश करेंगे। चूंकि लगभग एक दशक बाद यानी 2017 के बाद कोई अमेरिकी राष्ट्रपति 2026 में चीन पहुंचा है। हालांकि, टैरिफ वॉर की वजह से माना जाता है कि ट्रंप का रुख पेइचिंग को लेकर कठोर है।

समझा जाता है कि अपने पहले कार्यकाल में ही उन्होंने यानी ट्रंफ ने चीन से होने वाले आयात पर टैरिफ की घोषणा की थी। जबकि दूसरे टर्म में वह इस लड़ाई को और आगे ले गए और 125% तक भारी भरकम टैरिफ तक जड़ दिया। हालांकि दुनियावी रेयर अर्थ मिनरल्स पर चीनी नियंत्रण की वजह से आखिरकार ट्रंप को झुककर समझौता करना पड़ा था, अन्यथा उनका कारोबारी हित प्रभावित होता। ऐसे में टैरिफ वॉर भले थम गई हो, पर अमेरिका और चीन के बीच की पारस्परिक होड़ कायम है और वह नित्य नए स्वरूप में उभरकर सामने आ ही जाती है। चूंकि दोनों देश एक-दूसरे पर दबाव बनाने की कोशिश करते रहते हैं, पर इतना नहीं जिससे बात ज्यादा बिगड़े।

हाल के अमेरिका/इजरायल और ईरान युद्ध के दौरान भी कुछ यही देखने को मिला है। भले ही ईरान की आर्थिक व सामरिक मदद के आरोप में अमेरिका ने कुछ चीनी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की, और चीन ने भी पलटवार करते हुए वॉशिंगटन की नीतियों का विरोध किया, लेकिन सब कुछ नियंत्रण में रहकर हुआ। इसकी ठोस वजह उनकी आपसी निर्भरता और पारस्परिक जरूरत भी है, जिसे समझने की जरूरत है। आपको यह मालूम होना चाहिए कि चीन के लिए अमेरिका आज भी सबसे बड़ा बाजार है। हालांकि इस साल चीनी निर्यात में करीब 10% की कमी आई है। चीन की निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था के लिए यह झटका है।

दिलचस्प बात तो यह है कि खाड़ी देशों में भी चीन का निर्यात घटा है। मसलन, तेहरान (ईरान) का सबसे बड़ा तेल खरीदार होने के नाते भी उसकी परेशानी बढ़ रही है। लिहाजा चीन चाहता है कि युद्ध जल्दी थमे। भारत की भी यही सोच है। वहीं दूसरी ओर, ट्रंप को ईरान पर समर्थन और निवेश के लिए चीन चाहिए। इसीलिए वह अपने साथ कई बड़े उद्यमियों को लेकर बीजिंग पहुंचे हैं। चूंकि अमेरिका इस दौरे से बड़ी डील की उम्मीद कर रहा है, खासकर बोइंग विमानों की। इसलिए आलोचकों को डर है कि कहीं ताइवान पर ट्रंप नरम न पड़ जाएं। अमेरिकी हित में वह ऐसा कर सकते है।

अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि चूंकि इस समय दोनों रसूखदार नेता घरेलू मोर्चे पर विविध असहज स्थितियों में फंसे हुए हैं। लिहाजा उनकी कोशिश यही होगी कि इस मुलाकात से कुछ बड़ा हासिल किया जाए। यदि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं पारस्परिक सहयोग के रास्ते पर बढ़ती है और ईरान में शांति कायम होती है, तो यूक्रेन सहित सभी का फायदा होगा।

 # आखिर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के चीन दौरे पर भारत की नजर क्यों है?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे पर दुनियाभर की निगाहें लगी हुई हैं। ऐसे में स्वाभाविक बात है कि भारत भी अपने दोनों प्रतिस्पर्धियों पर नजर रखेगा। उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने भी इससे जुड़े एक सवाल पर कहा भी है कि भारत के कई देशों के साथ रिश्ते है। कई देशों के साथ साझेदारी आगे बढ़ रही है। चूंकि विभिन्न देशों के बीच इस तरह का दौरा होता रहता है और जब भी इस तरह के दौरे होते हैं तो भारत देखता है कि उसमें क्या बदलाव आया है- या फिर क्या गतिविधियां हुई। ऐसा इसलिए किया जाता है कि राष्ट्रहित के अनुरूप नीतियां संशोधित होती रहें। चूंकि भारत हाल के वर्षों में अमेरिका भारत का अहम रणनीतिक साझेदार बनकर उभरा है। दूसरी ओर चीन भी भारत का अहम पड़ोसी देश है, जिसके साथ सीमा विवाद के बाद भी रिश्ते व्यवहारिक समझ पर वापस लौट रहे है। ऐसे में दोनों देशों के आपसी संबंध और इस दौरे के निष्कर्ष भी भारत पर असर डालेगा। अमेरिका और चीन के रिश्ते एक लंबे वक्त तक असहजता के दायरे में रहे, जिसके जियोपॉलिटिकल प्रभाव से भारत भी अछूता नहीं रहा है। ट्रंप का यह दौरा 2017 के बाद हो रहा है। चीन पहुंचने पर बुधवार को ट्रंप का स्वागत उपराष्ट्रपति ने किया, जो 2017 से अच्छा स्वागत होने को दशार्ता है।

चीन मामलो के जानकार बताते हैं कि भारत जानना चाहेगा कि ट्रंप और चिनफिंग के बीच बातचीत का क्या निष्कर्ष निकला। हाल के वर्षों में प्रशांत महासागर में जिस तरह चीन का प्रभाव बढ़ा है, इसी बैलेस ऑफ पावर के मद्देनजर अमेरिका और भारत रणनीतिक और सामरिक मुद्दों पर लगातार नजदीकी स्तर पर काम करते रहे। ऐसे में अमेरिका और चीन अपने सबंधों को अगर फिर से नया आयाम देने का फैसला करते है तो अमेरिका व चीन दोनों के रिश्तों के मुताबिक भारत को भी अपनी विदेश नीति में बदलाव करना होगा।

शराब के ठेके पर सेल्समैन व ग्राहक के बीच हुए विवाद के मामले में दो अभियुक्त गिरफ्तार

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं कानून व्यवस्था के दृष्टिगत चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना मंडी धनौरा पुलिस द्वारा शराब के ठेके पर हुए विवाद, मारपीट एवं पथराव के मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए दोनों पक्षों के 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। बता दें कि बुधवार को थाना मंडी धनौरा क्षेत्रान्तर्गत लाडनपुर चौराहे स्थित शराब के ठेके पर शराब खरीदने के दौरान सेल्समैन एवं ग्राहक के बीच पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद हो गया था, जिसके उपरांत दोनों पक्षों में गाली-गलौच, मारपीट एवं ईंट-पत्थर चलने की घटना हुई थी।प्रथम पक्ष की ओर से वादी सोमदत्त शर्मा पुत्र ज्ञानेन्द्र शर्मा निवासी ग्राम मोहउद्दीनपुर थाना मंडी धनौरा जनपद अमरोहा, जो शराब के ठेके पर सेल्समैन का कार्य करता है, की तहरीर के आधार पर थाना मंडी धनौरा पर मु0अ0सं0 153/ 2026 धारा 115(2)/ 352/ 351(3)/ 125 बीएनएस पंजीकृत किया गया था।वहीं द्वितीय पक्ष की ओर से वादी ग्राहक पंकज उर्फ जयविन्द्र पुत्र जबर सिंह निवासी ग्राम शब्दलपुर खुर्द थाना चांदपुर जनपद बिजनौर की तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0 152/2026 धारा 115(2)/ 352/ 351 (3)/ 118 (1)/ 125/ 110 बीएनएस पंजीकृत किया गया था। थाना मंडी धनौरा पुलिस द्वारा उक्त प्रकरण में अभियुक्त सोमदत्त शर्मा पुत्र ज्ञानेन्द्र शर्मा निवासी ग्राम मोहउद्दीनपुर थाना मंडी धनौरा जनपद अमरोहा एवं पंकज उर्फ जयविन्द्र पुत्र जबर सिंह निवासी ग्राम शब्दलपुर खुर्द थाना चांदपुर जनपद बिजनौर को गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।कानून एवं शांति व्यवस्था सामान्य है।

अमरोहा पुलिस को मिली बड़ी सफलता, हथियार तस्कर गिरफ्तार

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना बछरायूं पुलिस द्वारा ग्राम कुआखेडा रोड के किनारे से काले रंग की स्कार्पियो-एन गाडी सहित 01 अवैध पिस्टल .32 बोर, 01 अवैध तमंचा 315 बोर, 01 अवैध तमंचा .32 बोर, 07 जिन्दा कारतूस .32 बोर, एक जिंदा कारतूस 315 बोर सहित 04 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। आपको बता दे कि पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के कुशल पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया के निकट पर्यवेक्षण में थाना बछरायूं पुलिस टीम द्वारा चैकिंग के दौरान ग्राम कुआखेडा रोड पर एक संदिग्ध काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी संख्या UP21 DQ 3004 को रोका गया। पुलिस वाहन को देखकर गाड़ी में सवार 03 व्यक्ति अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गये, जबकि 04 अभियुक्तों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में 1. अर्जुन पुत्र सूरजवीर निवासी ग्राम कटपुरा थाना बछरायूँ जनपद अमरोहा 2. निखिल पुत्र परमसिंह निवासी गुलडिया थाना नौगावा सादात जनपद अमरोहा 3. निक्की पुत्र शीशपाल निवासी ग्राम हासमपुर भूड थाना बछरायूँ जनपद अमरोहा 4. परणदीप उर्फ टीटू पुत्र हेमराज सिंह निवासी ग्राम खादगुर्जर थाना गजरौला अमरोहा शामिल हैं। पूछताछ पर अभियुक्तों ने बताया कि वे अपने साथियों के साथ मिलकर तमचे पिस्टल आदि को अलग अलग जगह से खरीदकर अन्य लोगों को बेचने का काम करते हैं। इस काम में उनके साथ विक्रान्त गरेवाल जो अमरोहा का रहने वाला है, साथ रहता है। वे सभी लोग विक्रान्त गरेवाल की स्कॉर्पियो एन गाडी UP 21 DQ 3004 से ही खरीदने जाते हैं और इसी गाडी से लोगों से सम्पर्क कर बेचने जाते हैं।

गजरौला में आवास आयुक्त ने किया कान्हा गौशाला का स्थलीय निरीक्षण

व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने के लिए दिए निर्देश

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार को उत्तर प्रदेश शासन के नोडल अधिकारी आवास आयुक्त बलकार सिंह द्वारा नगर पालिका परिषद गजरौला के अंतर्गत संचालित कान्हा गौशाला का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय गौशाला में कुल 234 गोवंश संरक्षित पाए गए, जिसमें सभी पशु पूर्णतः स्वस्थ मिले। पशुओं हेतु निर्मित चार शैडो में व्यवस्थाएं मानक के अनुरूप पाई गई ,ग्रीष्म ऋतु के दृष्टिगत पशुओं को लूं एवं तापघात से बचने के लिए लगाए गए पंखे, कूलर एवं स्वच्छ पेयजल रात्रि में प्रकाश की उपलब्धता पर नोडल अधिकारी ने संतोष व्यक्त किया। गौशाला में भूसा, हरा चारा एवं गुड़ आदि की उपलब्धता संतोषजनक मिली। निरीक्षण के दौरान बलकार सिंह ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पशुओं का स्वास्थ्य और सेवा हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है उन्होंने विशेष बल देते हुए कहा कि गौशालाओं को केवल सरकारी सहायता एवं अनुदान पर आश्रित रहने की वजाय उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कार्य योजना तैयार की जाए। गौशाला में निर्मित उत्पादों के माध्यम से स्वावलंबन के प्रयास किए जाएं निरीक्षण के दौरान जिला अधिकारी नितिन गौड़, अपर जिला अधिकारी गरिमा सिंह, परियोजना निदेशक, तहसीलदार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी आभा दत्त, पशु चिकित्सा डॉक्टर अतुल, पूर्व विधायक एवं नगर स्वच्छता प्रेरक हरपाल सिंह एवं अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य सहित अन्य कर्मचारी गण मौजूद रहे।

जनपद के नोडल अधिकारी ने की विकास कार्यों एवं निमार्णाधीन परियोजनाओं की समीक्षा, दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- आवास आयुक्त, उ०प्र० शासन एवं जनपद के नोडल अधिकारी बलकार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विकास कार्यों एवं जनपद में निमार्णाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आहूत की गई। इसके साथ उन्होंने प्रभारी मंत्री केपी मलिक द्वारा जनपद भ्रमण के दौरान दिए गए निदेर्शों के अनुपालन आख्या की समीक्षा भी की। सर्वप्रथम जिलाधिकारी नितिन गौड़ और पुलिस अधीक्षक द्वारा नोडल अधिकारी को बुके देकर एवं शॉल भेंट कर स्वागत किया गया। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक द्वारा नोडल अधिकारी को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। बैठक में सर्वप्रथम प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी अंबरीश कुमार द्वारा जनपद के नोडल अधिकारी को विभिन्न विभागों की उपलब्धियों से अवगत कराया। उन्होंने विभिन्न विभाग जो प्रदेश में प्रथम रैंक पर है उनके अच्छे कार्य के लिए प्रशंसा की। उन्होंने कहा जो प्रथम रैंक पर हैं वह अपनी स्थिति बनाए रखें और जो अन्य रैंक पर हैं वह प्रथम रैंक पर आने के लिए और प्रयास करें। उन्होंने अधिकारियों से उनके विभाग द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों के बारे में भी विस्तार से जानकारी प्राप्त की। नोडल अधिकारी ने जनपद में सभी ग्राउंडवाटर रिचार्ज संरचनाओं को सक्रिय करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विनियमित क्षेत्र के अंतर्गत जो नक्शे पास होते हैं, उनमें रेन वाटर हार्वेस्टिंग का भी प्रावधान किया जाए। उन्होंने उद्यान अधिकारी को विभागीय योजनाओं के तहत फूड प्रोसेसिंग करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। खराब विद्युत ट्रांसफार्मरों को समय पर बदलने तथा निर्धारित समयानुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विकसित भारत जी राम जी योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने नकली दूध, नकली खोया आदि की नियमित जांच करने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारी को निर्देशित किया। जल जीवन मिशन ग्रामीण के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा कितने गांवों में नियमित जल आपूर्ति हो रही है, इसकी जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वृक्षारोपण अभियान के लक्ष्य की जानकारी प्राप्त की और आगामी वृक्षारोपण की बेहतर कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

बलकार सिंह ने निर्देश दिए कि जनपद में जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री नहीं बन पाई है, शिविर लगाते हुए फार्मर रजिस्ट्री बनाई जाए। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अभियान चलाते हुए कैंप लगाकर फैमिली आईडी बनाने के कार्य में प्रगति लाने के साथ लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निमार्णाधीन परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। आवास आयुक्त ने कहा कि सुनिश्चित किया जाए कि गौ आश्रय स्थलों पर छाया, पेयजल, भूसा, हरा चारा की पर्याप्त व्यवस्था हो। निराश्रित गोवंशों की देखभाल के लिए सभी गौशालाओं में गर्मी से बचाव की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बलकार सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार कराते हुए आम आदमी तक लाभ पहुंचाए। पेंशन योजनाओं से संबंधित कोई भी पात्र पेंशन से वंचित न रहे। सभी पात्रों को समय से पेंशन दिलाना सुनिश्चित किया जाए। कृषि रक्षा रसायन डी0बी0टी0 की प्रगति की जानकारी लेते हुए योजना का लाभ सभी पात्र किसानों को शत-प्रतिशत मिले, जिसके लिये अधिक से अधिक प्राचर-प्रसार करायें। उद्यान अधिकारी को विभाग की योजनाओं की जानकारी विभिन्न माध्यमों से आमजन तक पहुचाने के निर्देश दिए। जनपद में बने तटबंधों के किनारे पौधरोपण कराने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ द्वारा नोडल अधिकारी को आश्वस्त किया गया कि उनके द्वारा दिए गए निदेर्शों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़, पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव, प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी अंबरीश कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, डीएफओ, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मंडी धनौरा में हुए सड़क हादसे में घायल दूसरी महिला की मौत, बाइक को बचाने के प्रयास में पलटा था ऑटो

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा के शेरपुर मार्ग पर मंगलवार को हुए सड़क हादसे में घायल दूसरी महिला सावित्री जिसकी उम्र करीब 55 वर्ष,ने गुरुवार को उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक महिला का उपचार मेरठ के मेडिकल कॉलेज में चल रहा था। इसी दुर्घटना में मंगलवार को 22 वर्षीय कमलेश की भी मौत हो गई थी 2 दिन के भीतर एक ही गांव में इन दो मौतों से मातम पसर गया है। बता दें कि यह हादसा मंगलवार को अमर सिंह डिग्री कॉलेज के पास हुआ था। थाना मंडी धनौरा क्षेत्र के ग्राम नवाबपुरा निवासी सावित्री देवी पत्नी स्वर्गीय छोटे सिंह जाटव साप्ताहिक बाजार से खरीदारी कर ऑटो (टेंपो) से वापस गांव लौट रही थीं।शेरपुर रोड पर अमर सिंह डिग्री कॉलेज के पास सामने से आ रहे एक बाइक सवार को बचाने के प्रयास में ऑटो चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया।हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। मंगलवार को ही कमलेश जाटव पत्नी सचिन कुमार की एक निजी अस्पताल में मौत हो गई थी। सावित्री देवी की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें पहले जिला अस्पताल और फिर मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था।गुरुवार सुबह उपचार के दौरान सावित्री देवी ने भी अंतिम सांस ली।जब परिजन मृतक महिला के शव लेकर गांव लौटे तो मृतक महिला को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ का जमावड़ा लग गया। इस दुर्घटना में घायल एक अन्य महिला मुनेश पत्नी संजीव कुमार का उपचार अभी भी मेरठ में जारी है।मंडी धनौरा थाना प्रभारी अमरपाल सिंह ने बताया कि टेंपो चालक दीदार के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डीएम के निर्देश पर वन विभाग ने की पशु-पक्षियों के लिए प्याऊ की व्यवस्था

अमरोहा (सब का सपना);- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ के निर्देश पर वन विभाग ने ग्रीष्मकालीन भीषण गर्मी और हीट वेव के दौरान जंगली पशु-पक्षियों को पानी उपलब्ध कराने के लिए विशेष व्यवस्था की है। विभाग द्वारा विभिन्न वन क्षेत्रों में प्याऊ की व्यवस्था की गई है, ताकि प्यास से व्याकुल वन्य जीवों को राहत मिल सके। विभाग द्वारा ख्यालीपुर नर्सरी हसनपुर, बाटूपूरा नर्सरी हसनपुर और जटी वन परिसर अमरोहा के दो स्थानों पर प्याऊ स्थापित किए गए हैं।

गजरौला में रेलवे लाइन किनारे मिला अज्ञात युवक का शव, शिनाख्त के प्रयास जारी

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला थाना क्षेत्र में दिल्ली-लखनऊ रेल लाइन किनारे गुरुवार दोपहर एक 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। सूचना मिलते ही आरपीएफ, जीआरपी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची।यह घटना गजरौला थाना क्षेत्र के भानपुर फाटक के पास हुई। बता दें कि आरपीएफ को गुरुवार दोपहर करीब सवा ग्यारह बजे शव पड़े होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया है।मृतक की उम्र लगभग 40 वर्ष बताई जा रही है। उसके सिर पर गंभीर चोट के निशान थे। प्रारंभिक आशंका है कि व्यक्ति किसी ट्रेन की चपेट में आने से मारा गया।गजरौला थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मृतक की शिनाख्त अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस उसकी पहचान के प्रयास कर रही है। जांच में सामने आया है कि मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई है।

नोडल अधिकारी ने नव निर्मित पुलिस लाइन और विशिष्ट अतिथि गृह का किया निरीक्षण

विशिष्ट अतिथि गृह में तत्काल फर्नीचर की व्यवस्था कराने के दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- आवास आयुक्त, उ०प्र० शासन एवं जिला नोडल अधिकारी बलकार सिंह द्वारा नव निर्मित पुलिस लाइन और विशिष्ट अतिथि गृह का गहन निरीक्षण किया। पुलिस लाइन निरीक्षण में उन्होंने पुलिस अधीक्षक कार्यालय, टेनिस कोर्ट, ऑडिटोरियम, बास्केटबाल कोर्ट, जिम सहित टाइप-2 ब्लॉक में बनाए गए आवास आदि का निरीक्षण किया। नोडल अधिकारी एवं डीएम-एसपी ने पुलिस लाइन परिसर में पौधरोपण किया और परिसर में पौधरोपण कराने के भी निर्देश दिए। इसके साथ टेनिस कोर्ट एरिया बढाने के भी निर्देश दिए। विशिष्ट अतिथि गृह के निरीक्षण के दौरान खिडकी सहित कमरों में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता की जांच करते हुए परिसर में साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए। इसके साथ फर्नीचर की व्यवस्था शीघ्रता से सुनिश्चित कराने के निर्देश अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़, पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह सहित कार्यदाई संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गजरौला में बीच नहर के ऊपर खुला पांटून पुल, ट्रैक्टर-ट्राली समेत समाया सब कुछ, चालक ने ऐसे बचाई जान

गजरौला (अमरोहा)। कई गांवों को जोड़ने वाले पांटून पुल पर ट्रैक्टर ट्राली निकालते समय क्लिप खुलने से पुल का एक पीपा अलग हो गया तथा सारा पुल धराशायी हो गया। जिससे उस पर गुजर रही ट्रैक्टर ट्राली नहर में डूब गई। चालक ने समय रहते कूदकर जान बचाई। गुरुवार की सुबह गांवों के लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। देर शाम तक ट्रैक्टर-ट्राली बरामद नहीं हो सकी है तथा तलाश जारी है। ब्लाक क्षेत्र के एक दर्जन गांव को गजरौला से जोड़ने वाला यह मार्ग रामगंगा पोषक नहर से होकर गुजरता है। पहले यह पुल गांव शीशोवाली के सामने बनाया जाता था। परंतु विधायक राजीव तरारा ने यहां 2023 में अपनी निधि से पुल का निर्माण करा कर लोगों को राहत दी थी। परंतु अब यह पांटून पुल गांव दारानगर के सामने बना दिया गया था। जिससे अलीनगर, मंदिर वाली भुड्डी, शिशोवाली, टीकोवाली समेत लगभग एक दर्जन गांव के लोगों का आवागमन होता था। यहां से गांवों के लोग अपने कृषि वाहन, ट्रैक्टर ट्राली, बाइक आदि निकालकर एक स्थान से दूसरे स्थान जाते हैं।

मैक्स हॉस्पिटल पर चिकित्सकीय लापरवाही साबित, आयोग का बड़ा फैसला

मरीज की मौत मामले में पांच लाख क्षतिपूर्ति व ब्याज देने के आदेश

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):जनपद के ग्राम नगला खोकर पोस्ट असमोली निवासी नेमपाल सिंह ने अपनी पत्नी भाग्यवती के हृदय रोग के इलाज के लिए मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। बताया गया कि अस्पताल में इलाज देवकी देवी फाउंडेशन द्वारा संचालित योजना के अंतर्गत किया जा रहा था। मरीज के हृदय के राइट एंट्रीयम में स्थित मांस को सर्जरी द्वारा 31 अगस्त 2021 को निकाला गया, लेकिन ऑपरेशन के बाद मरीज की हालत में सुधार नहीं हो सका। पीड़ित नेमपाल सिंह के अनुसार अस्पताल द्वारा इलाज के लिए तीन लाख रुपये का पैकेज बताया गया था, लेकिन बाद में उनसे करीब 11 लाख 80 हजार 795 रुपये वसूल लिए गए। आरोप है कि 14-15 दिन अस्पताल में भर्ती रखने के बाद भी जब कोई सुधार नहीं हुआ तो मरीज को घर भेज दिया गया, जिसके अगले दिन 21 सितंबर 2021 को भाग्यवती की मृत्यु हो गई। साथ ही अस्पताल द्वारा इलाज से संबंधित दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं कराए गए। मामले में उपभोक्ता मामलों के विशेषज्ञ अधिवक्ता लवमोहन वार्ष्णेय द्वारा जिला उपभोक्ता आयोग सम्भल में वाद दायर किया गया। सुनवाई के दौरान आयोग ने ऑपरेशन से पूर्व एवं बाद की रिपोर्ट मांगी, लेकिन अस्पताल द्वारा ऑपरेशन के बाद की रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद जिला उपभोक्ता आयोग सम्भल ने देवकी देवी फाउंडेशन एवं मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक/अध्यक्ष को आदेश दिया कि वे परिवादी नेमपाल सिंह को चिकित्सकीय उपेक्षा के लिए पांच लाख रुपये क्षतिपूर्ति, सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित दो माह के भीतर अदा करें। इसके अलावा मानसिक कष्ट एवं आर्थिक हानि के लिए 50 हजार रुपये तथा वाद व्यय के रूप में पांच हजार रुपये देने के भी आदेश जारी किए गए हैं।

लाखों रुपए के खोए मोबाइल बरामद, पुलिस ने स्वामियों को लौटाए

सीईआईआर पोर्टल और संचार साथी ऐप से मोबाइल सुरक्षा को लेकर पुलिस की अपील

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत के निर्देशन में गुमशुदा एवं चोरी हुए मोबाइल फोनों की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत बृहस्पतिवार को बड़ी सफलता हासिल हुई। जनपदीय साइबर सेल एवं थाना साइबर सेल की टीम ने कुल 261 मोबाइल फोन बरामद कर उनके स्वामियों को सुपुर्द किए। बरामद मोबाइल फोनों की अनुमानित कीमत लगभग 55 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देश पर गुमशुदा मोबाइल संबंधी प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर थाना, जनपदीय साइबर सेल एवं थाना साइबर सेल द्वारा दूरसंचार विभाग के उएक्फ़ पोर्टल के माध्यम से अभियान चलाया गया। अथक प्रयासों के बाद सम्भल जनपद सहित अन्य जनपदों एवं राज्यों से मोबाइल फोन बरामद किए गए। मोबाइल स्वामियों को उनके फोन लौटाते समय पुलिस अधिकारियों ने आमजन से अपील की कि मोबाइल फोन गुम या चोरी होने पर तत्काल अपने सिम कार्ड को ब्लॉक कराएं तथा बैंक खातों की सुरक्षा के लिए संबंधित बैंक से संपर्क करें। पुलिस ने बताया कि कोई भी व्यक्ति स्वयं CEIR पोर्टल या संचार साथी ऐप के माध्यम से अपने मोबाइल की क्टएक ब्लॉक करा सकता है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि संचार साथी ऐप में क्टएक ब्लॉकिंग के अलावा संदिग्ध कॉल एवं मैसेज की शिकायत, अपने नाम पर जारी मोबाइल कनेक्शनों की जानकारी तथा मोबाइल की वास्तविकता जांचने जैसी कई सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह ऐप गूगल प्ले स्टोर एवं ऐपल ऐप स्टोर पर उपलब्ध है।

नवागत सिविल जज, एसडीएम व तहसीलदार का अधिवक्ताओं ने किया स्वागत

गुन्नौर/सम्भल (सब का सपना): जनपद के तहसील गुन्नौर में बार वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से आयोजित बैठक में नवागत सिविल जज जूनियर डिवीजन अभिषेक कुमार, उपजिलाधिकारी विकाश चन्द्र एवं तहसीलदार रवि सोनकर का माला पहनाकर एवं गुलदस्ते देकर स्वागत किया गया। बैठक की अध्यक्षता बार वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेन्द्र यादव एडवोकेट एवं महासचिव सुरेश यादव की मौजूदगी में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का

संचालन भगवान सिंह यादव एडवोकेट ने किया। इस अवसर पर नवागत सिविल जज अभिषेक कुमार ने कहा कि उनका पूरा प्रयास रहेगा कि वादकारियों को सुलभ एवं त्वरित न्याय मिले तथा न्याय में अनावश्यक देरी न हो। वहीं उपजिलाधिकारी विकाश चन्द्र ने अधिवक्ताओं की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराने का भरोसा दिलाया।

बैठक में बेंच एवं बार के बीच आपसी सौहार्द बनाए रखते हुए सभी समस्याओं के समाधान पर जोर दिया गया। इस दौरान धनेश चन्द्र एडवोकेट, मु. खालिक एडवोकेट, रामवीरेश यादव एडवोकेट, रागिब उल्ला एडवोकेट सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

एसपी कृष्ण कुमार ने ताइक्वांडो खिलाड़ियों को किया सम्मानित

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद में बृहस्पतिवार को पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार द्वारा चन्दौसी ताइक्वांडो एकेडमी की प्रतिभावान खिलाड़ी पूर्वी राघव एवं आराध्या विश्वकर्मा को वर्ल्ड ताइक्वांडो हेडक्वार्टर कुक्किवोन (साउथ कोरिया) से जारी ब्लैक बेल्ट प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने दोनों

खिलाड़ियों की उपलब्धि की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सम्मान प्राप्त करने पर खिलाड़ियों एवं उनके परिजनों में खुशी का माहौल रहा। चन्दौसी ताइक्वांडो एकेडमी के प्रशिक्षकों ने भी दोनों खिलाड़ियों की सफलता को जनपद के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

प्रधानमंत्री के खिलाफ टिप्पणी पर भाजपा का जनाक्रोश, कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी कार्यकताओं में भारी आक्रोश देखने को मिला। बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट बहजोई पर भाजपा जिला अध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह के नेतृत्व में विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने हाथों में बैनर लेकर समाजवादी पार्टी सांसद आजेंद्र सिंह के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग उठाई। भाजपा जिला अध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री पद की एक गरिमा होती

है और अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर सांसद ने न केवल पद की गरिमा को ठेस पहुंचाई है, बल्कि देश की जनता की भावनाओं का भी अपमान किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा इस प्रकार की बयानबाजी को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। कार्यक्रम में परमेश्वर लाल सैनी ने कहा कि विपक्ष विकास के मुद्दों पर विफल होने के बाद व्यक्तिगत टिप्पणियों और ओछी राजनीति का सहारा ले रहा है। वहीं क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंघल ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता अपने नेता और देश के प्रधानसेवक के सम्मान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। अजीत उर्फ राजू ने समाजवादी पार्टी पर तुष्टिकरण और गुंडागर्दी की राजनीति करने का आरोप लगाया। वहीं मंजू दिलेर ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा महिलाओं और समाज के सम्मान के खिलाफ राजनीति करती रही है और प्रधानमंत्री के खिलाफ टिप्पणी कर पूरे देश का अपमान किया गया है। धरना-प्रदर्शन में हृदेश यादव, मनोज कठेरिया, विकास वार्ष्णेय, सौरभ गुप्ता, चरण सिंह भारती, सोनू चाहल, जयप्रकाश गुप्ता, मुकुल रस्तोगी, अंकुर अग्रवाल, अवधेश प्रताप, भवनेश राघव, मोक्षिका शर्मा, नकुल सिंह, सजन माली सहित विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी, पूर्व विधायक और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

केमिस्ट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष बने मोहम्मद शाहनवाज आलम, पदाधिकारियों ने किया स्वागत

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद के केमिस्ट एसोसिएशन की बैठक तहसील रोड स्थित वार्ष्णेय मेडिकल स्टोर पर सम्पन्न हुई। बैठक में नूरियो सराय स्थित शाह मेडिकोज के स्वामी मोहम्मद शाहनवाज आलम को केमिस्ट एसोसिएशन का कोषाध्यक्ष चुना गया। बैठक के दौरान राहिल भारतीय ने मोहम्मद शाहनवाज आलम का नाम कोषाध्यक्ष पद के लिए प्रस्तावित किया, जिसका अनुमोदन सागर मेडिकल स्टोर के स्वामी अनिल कुमार अग्रवाल ने

किया। इसके बाद केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष अवधेश कुमार वार्ष्णेय ने मोहम्मद शाहनवाज आलम को संगठन का कोषाध्यक्ष मनोनीत किया। इस अवसर पर अतुल त्यागी, श्यामशरण शर्मा, प्रियरत्न आर्य, अभिजीत पॉल सहित अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उनका स्वागत किया तथा माल्यार्पण कर खुशी व्यक्त की। इसके बाद अजय कुमार शर्मा, दुर्वेश सैनी, सुबोध पाल, मो. नसीम, सत्यवीर सिंह, नीरज सैनी सहित कई लोग शाह मेडिकोज नूरियो सराय पहुंचे और नव मनोनीत कोषाध्यक्ष मोहम्मद शाहनवाज आलम को बधाई देते हुए माल्यार्पण कर मिष्ठान खिलाया।

नव मनोनीत कोषाध्यक्ष मोहम्मद शाहनवाज आलम ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए तन, मन, धन और पूरी ऊर्जा के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

पुलिस पेंशनर्स की समस्याएं सुनने को आयोजित हुई समीक्षा गोष्ठी

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- पुलिस लाइन बहजोई सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत द्वारा पुलिस पेंशनर्स के साथ संवाद एवं समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी का उद्देश्य पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त कर्मियों की समस्याओं को सुनना, उनके सुझाव प्राप्त करना तथा उनके कल्याण से जुड़े विषयों पर चर्चा करना रहा। गोष्ठी के दौरान उपस्थित पुलिस पेंशनर्स ने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं आवश्यकताओं से अधिकारियों को

अवगत कराया। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। इस अवसर पर एएसपी मनोज कुमार रावत ने कहा कि पुलिस विभाग के पूर्व कर्मियों का अनुभव, अनुशासन एवं सेवाएं सदैव विभाग के लिए प्रेरणादायी रही हैं। उन्होंने सभी पेंशनर्स का कुशलक्षेम जाना तथा भविष्य में भी उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान सौहार्दपूर्ण वातावरण में पुलिस पेंशनर्स एवं अधिकारियों के बीच संवाद स्थापित हुआ, जिससे सेवानिवृत्त कर्मियों ने संतोष व्यक्त किया।

हजरत जुनैद शाह मियां के सालाना उर्स में उठी चादर, अमन-चैन की मांगी दुआ

अकीदतमंदों की भारी भीड़ उमड़ी, दरगाह पर हुआ चादरपोशी और तबर्रुक वितरण

सम्भल (सब का सपना):- नगर के मोहल्ला चमन सराय स्थित चमन सराय से गुरुवार को हजरत जुनैद शाह मियां रहमतुल्लाह अलैह के सालाना उर्स के मौके पर धूमधाम के साथ चादर उठी। चादर में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए और पारंपरिक तरीके से दरगाह तक पहुंचे। दरगाह पर पहुंचकर मुल्क और शहर में अमन, शांति एवं भाईचारे के लिए विशेष दुआ की गई। इस दौरान सैकड़ों लोगों ने हाथ उठाकर देश में खुशहाली और सौहार्द की कामना की। गुलामाने साबरी कमेटी की ओर से दरगाह पर चादर का फूलों और गाजे-बाजे के साथ स्वागत किया गया। चादरपोशी के बाद अकीदतमंदों में तबर्रुक वितरित किया गया। कमेटी के सचिव इंतजार हुसैन ने बताया कि शुक्रवार सुबह 4 बजे कुल शरीफ के साथ उर्स का समापन होगा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के नामित सभासद सैयद शान अली ने कहा कि चादरपोशी के माध्यम से अमन और भाईचारे का पैगाम दिया गया है।

उन्होंने कहा कि हजरत जुनैद शाह मियां की दरगाह आपसी सौहार्द और भाईचारे की प्रतीक है। कार्यक्रम में कासिम प्रधान, मोहम्मद वसीम साबरी, शारिक जिलानी, अब्दुर्रहमान मोहम्मद आकिब सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे।

सम्भल पुलिस की एण्टी रोमियों टीमों द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति अभियान

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन एवं नोडिल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह, क्षेत्राधिकारी चन्दौसी /सहायक नोडल मिशन शक्ति अभियान दीपक कुमार के नेतृत्व में बृहस्पतिवार को जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा

थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों व कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया

नीट-यूजी पेपर लीक शिकारपुर के अभाविप कार्यकताओं का दिल्ली में एनडीए मुख्यालय पर हल्ला बोल

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- नीट-यूजी परीक्षा में हुई धांधली और पेपर लीक मामले को लेकर देश भर के छात्रों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में शिकारपुर क्षेत्र के अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के कार्यकताओं ने दिल्ली स्थित नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) मुख्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने एनटीए के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। माहौल उस समय तनावपूर्ण हो गया जब दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए बल प्रयोग किया। पुलिस और कार्यकताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई जिसके बाद पुलिस ने कई अभाविप कार्यकताओं

और विद्यार्थियों को हिरासत में ले लिया। अभाविप का कहना है कि नीट-यूजी जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा में पेपर लीक होना केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं है बल्कि यह पूरी परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न है। अभाविप दिल्ली विश्वविघालय छात्र नेता मनी चौधरी, ने बताया कि वर्षों तक कठिन परिश्रम करने वाले लाखों अभ्यर्थियों के विश्वास पर यह सीधा आघात है। परीक्षा प्रक्रिया में लगातार सामने आ रही अनियमितताएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं और इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। परिषद ने केन्द्र सरकार और सम्बन्धित विभागों के सामने अपनी मांगें रखते हुए कहा है कि पूरे प्रकरण की जांच पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से की जाए। जांच से जुड़े तथ्यों को सार्वजनिक कर इस पूरे शिक्षा माफिया नेक्सस को ध्वस्त किया जाए। जब तक 24 लाख प्रभावित अभ्यर्थियों को न्याय नहीं मिल जाता तब तक आंदोलन जारी रहेगा। संगठन ने स्पष्ट किया है कि वह हमेशा छात्र हित में खड़ा रहा है। शिकारपुर इकाई के सदस्यों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो आंदोलन को और अधिक उग्र किया जाएगा ।

सगे भाई ने भाई के खिलाफ रची साजिश हनी ट्रैप का बनाया शिकार, अब महिला समेत पांच आरोपी गिरफ्तार

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- संपत्ति विवाद को लेकर एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। उत्तर प्रदेश पुलिस के एक दरोगा पर अपने ही भाई को हनीट्रैप में फंसाकर ब्लैकमेल कराने की साजिश रचने का आरोप लगा है। पुलिस के अनुसार, आरोपी दरोगा ने अपने भाई राकेश को फंसाने के लिए गिरोह की महिला सदस्य रानी से संपर्क कराया। महिला ने दोस्ती बढ़ाकर मुलाकात के दौरान फोटो-वीडियो बनाए और बाद में 20 हजार रुपये की मांग की। रकम न देने पर पीड़ित के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कराने की कोशिश भी की गई।

पीड़ित की शिकायत पर जांच में मामला खुला तो पुलिस ने महिला समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से घटना में इस्तेमाल कार और चार मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। गिरफ्तार लोगों पर हत्या, गैंगस्टर सहित कई गंभीर मुकदमे पहले से दर्ज बताए गए हैं। पुलिस ने खुलासा किया कि संपत्ति विवाद में सगे भाई, जो वर्तमान में रामपुर में तैनात दरोगा है, ने पूरी ब्लैकमेलिंग साजिश रची।

मोहन गार्डन में चोरी की बड़ी वारदातों का खुलासा, दो शातिर ऑटो-लिफ्टर गिरफ्तार

द्वारका जिले के मोहन गार्डन थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर चोरों और ऑटो-लिफ्टरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी का हिताची विंडो एसी, दो चोरी के मोबाइल फोन, दो चोरी की स्कूटियां और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में हुई कई चोरी की वारदातों का खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार, 29 अप्रैल 2026 को मोहन गार्डन थाने में एक ई-एफआईआर दर्ज हुई थी, जिसमें शिकायतकर्ता शहजाद अली ने बताया कि उनकी दुकान से हिताची कंपनी का विंडो एसी चोरी हो गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए SHO मोहन गार्डन इंस्पेक्टर मुकेश अंतिल के नेतृत्व में विशेष टीम

गठित की गई। पुलिस टीम ने मोहन गार्डन, उत्तम नगर और रणहोला इलाके के 40 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी जांच, लोकल इंटेलिजेंस और मुखबिर की सूचना के आधार पर कई जगहों पर छापेमारी की गई। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने दो आरोपियों मोहम्मद महफूज और सोनू सिंह रावत को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने सोम बाजार रोड, रामा पार्क स्थित दुकान से एसी चोरी किया था। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चोरी का एसी बरामद कर लिया। इसके अलावा, आरोपियों के पास से ओप्पो और वीवो कंपनी के दो चोरी के मोबाइल फोन, दो चोरी की स्कूटियां और एक मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है, जिसका इस्तेमाल वारदात में किया गया था। गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद महफूज, रणहोला इलाके का रहने वाला है और उसके खिलाफ पहले से दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं सोनू सिंह रावत के खिलाफ छह पुराने आपराधिक मामले दर्ज बताए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की गिरफ्तारी से मोहन गार्डन और निहाल विहार थाना क्षेत्र के कुल आठ चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से आगे की पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इनके गैंग में और कौन-कौन शामिल है।

राजौरी गार्डन पुलिस के हत्थे चढ़ा शातिर ऑटो-लिफ्टर, तीन चोरी की स्कूटियां और अवैध चाकू बरामद

पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक सक्रिय और बदनाम ऑटो-लिफ्टर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से तीन चोरी की स्कूटियां और एक अवैध बटनदार चाकू बरामद किया गया है। पुलिस का दावा है कि आरोपी इलाके में लगातार वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहा था। पुलिस के अनुसार, इलाके में लगातार हो रही स्कूटी चोरी की घटनाओं के बाद राजौरी गार्डन थाना पुलिस ने विशेष टीम का गठन किया। रत्नड राजौरी गार्डन इंस्पेक्टर रविंदर जोशी और अउढ राजौरी गार्डन शरत चंद्र निर्मल की देखरेख में गठित टीम ने करीब 50 से 60 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी जांच के साथ लोकल इंटेलिजेंस पर काम शुरू किया। जांच के दौरान पुलिस

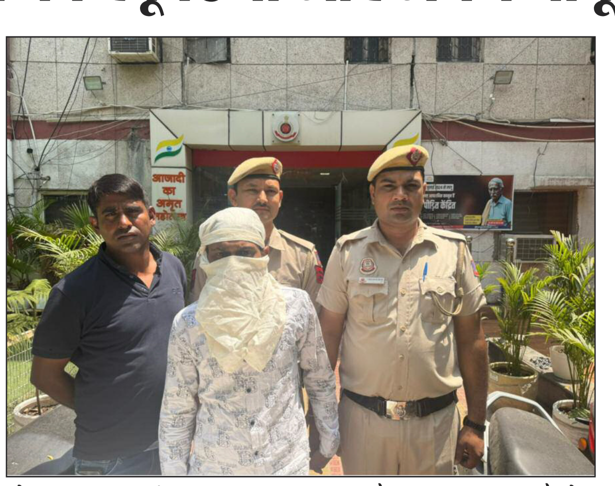

को गुप्त सूचना मिली कि एक शातिर ऑटो-लिफ्टर रघुबीर नगर इलाके में मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने 12 मई 2026 को कूड़ा खत्ता, रघुबीर नगर इलाके में दबिश देकर आरोपी विशाल उर्फ रोहित को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक अवैध बटनदार चाकू और रेड कलर की चोरी की एन-टॉर्क स्कूटी बरामद हुई। जांच में पता चला कि बरामद स्कूटी राजौरी गार्डन थाने में दर्ज ई-एफआईआर के तहत चोरी की गई थी। इसके बाद आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट और चोरी की धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में आरोपी ने इलाके में हुई कई अन्य वाहन चोरी की वारदातों में शामिल होने की बात कबूल की। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने दो और चोरी की स्कूटियां बरामद की हैं, जिनमें एक न्यू एविएटर और एक एक्टिवा शामिल है। गिरफ्तार आरोपी विशाल उर्फ रोहित, रघुबीर नगर का रहने वाला है और पहले भी चोरी, लूट, स्नैचिंग और आर्म्स एक्ट के कई मामलों में शामिल रह चुका है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि आर्थिक तंगी और गलत संगत की वजह से वह अपराध की दुनिया में उतर गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी से राजौरी गार्डन इलाके में दर्ज कई वाहन चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है। फिलहाल पुलिस आरोपी से आगे की पूछताछ कर रही है और उसके अन्य साथियों की तलाश जारी है।

दशरथपुरी ड्रेन पर लगेगी ग्रिल और फ्लाईओवर के नीचे बनेगी पार्किंग; जानें द्वारका के लिए क्या है सरकार का प्लान

पश्चिमी दिल्ली। द्वारका विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के कायाकल्प की तैयारी शुरू हो गई है। लोक निर्माण विभाग , सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण तथा जल मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाल रहे प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा ने क्षेत्रीय विधायक प्रद्युम्न राजपूत के साथ क्षेत्र का सघन दौरा किया। इस दौरान मंत्री ने जर्जर सड़कों और नालों की स्थिति का जायजा लिया। दशरथपुरी ड्रेन की दुर्दशा पर जताई नाराजगी दौरे के दौरान मंत्री प्रवेश वर्मा ने दशरथपुरी ड्रेन की जर्जर स्थिति और सुरक्षा के अभाव पर अधिकारियों के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट आदेश दिए कि ड्रेन के जिन हिस्सों पर चारदीवारी नहीं है, वहां तत्काल चारदीवारी बनाई जाए। चारदीवारी के ऊपर लोहे की ग्रिल लगाई जाए, ताकि लोग इसमें कूड़ा या कोई भी अवांछित वस्तु न फेंक सकें। सड़कों का नवनिर्माण और सीवर परियोजनाओं में तेजी विधायक प्रद्युम्न राजपूत ने मंत्री को क्षेत्र की उन सड़कों की स्थिति दिखाई, जो लंबे समय से मरम्मत की बाट जोह रही हैं। इस पर संज्ञान लेते हुए मंत्री ने नाला रोड, नसीरपुर रोड, डाबरी-पालम रोड और पंखा रोड के नवनिर्माण का कार्य शीघ्र शुरू करने का आदेश दिया। साथ ही, उन्होंने कहा कि पानी और सीवर से जुड़ी जितनी भी परियोजनाएं वर्तमान में चल रही हैं, उन्हें तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए ताकि जनता को असुविधा न हो। नांगलराया फ्लाईओवर का होगा सौंदर्यीकरण और पार्किंग विकास फ्लाईओवर के नीचे खाली पड़ी जमीन के सदुपयोग के लिए मंत्री ने एक नई योजना का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि नांगलराया फ्लाईओवर का पूरी तरह सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इसके अलावा फ्लाईओवर के नीचे के हिस्से को पार्किंग स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे स्थानीय दुकानदारों और बाजार आने वाले लोगों को पार्किंग की बड़ी सुविधा मिलेगी और सड़कों पर जाम की समस्या कम होगी।

ब्राह्मण समाज ने राजकुमार भाटी की टिप्पणी पर जताया रोष, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

बुलन्दशहर (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी द्वारा ब्राह्मण समाज पर की गई कथित अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में महर्षि परशुराम भवन में जिले के विभिन्न ब्राह्मण संगठनों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में वक्ताओं ने टिप्पणी की निंदा करते हुए इसे समाज के सम्मान पर आघात बताया। सभा की

अध्यक्षता संजीव शर्मा ने तथा संचालन प्रदीप कुमार शर्मा ने किया। उपस्थित लोगों ने मांग की है कि राजकुमार भाटी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए और अखिलेश यादव उन्हें पार्टी से निष्कासित करें। इस संबंध में ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को जिलाधिकारी के माध्यम से भेजे गए है।

बरहाना में लगा रोजगार मेला, बेरोजगार युवाओं ने बढ़-चढ़कर लिया भाग

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना): क्षेत्र के गांव बरहाना में में पंचायत भवन पर रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया। हरियाणा के गुणगांवा से आये बंशल वंदता व सुखविंदर ने बेरोजगार युवाओं को रोजगार के बारे में विस्तृत जानकारी दी। रोजगार मेले में 8 युवाओं ने रोजगार के लिए रजिस्ट्रेशन भी कराया। यहां सिक्योरिटी गार्ड,

हाउसकीपिंग, इलेक्ट्रीशियन, मैन्युफैक्चरिंग हेल्पर, आदि की नौकरी दी जायेगी। जिसमें 12 हजार से 28 हजार तक की नौकरी दी जायेगी। 18 वर्ष से 40 वर्ष की उम्र के युवाओं को नौकरियां दी जायेंगी।बंशल ने बताया कि रोजगार के लिए महिलाएं भी आई, लेकिन किसी ने भी रजिस्ट्रेशन नहीं कराया। उन्होंने बताया कि अगले कई दिनों तक बरहाना में पंचायत भवन पर रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जा सकें।

पूर्व प्रधान, वरिष्ठ समाजसेवी टुकीराम वर्मा का आकस्मिक निधन कस्बे में शोक की लहर

बीबीनगर/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के केशोपुर सठला के निवासी वरिष्ठ समाजसेवी टूकीराम वर्मा (उम्र 75 वर्ष लगभग) जो कि कस्बे के 10 वर्ष प्रधान भी रहे थे, टूकीराम श्री आदर्श रामलीला केशोपुर सठला के विगत 25 वर्ष से अध्यक्ष भी रहे और कई धार्मिक कार्यक्रमों का संचालन जैसे नवरात्री में माता का डोला पंखा, काली यात्रा, दशहरा मेला के आयोजन प्रमुखता से निकलवाते थे। उन्होंने रोज की

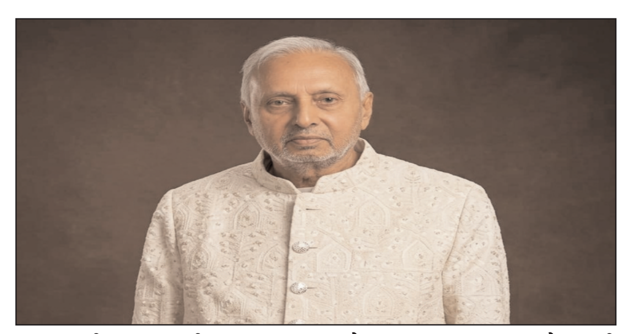

तरह अपनी आभूषण की दुकान प्रातः खोली थी और शाम को साढ़े साथ बजे बंद कर घर पहुंच ज्योत बत्ती कर खाना खाने को बैठे थे कि खाना खाना शुरू किया ही था कि अचानक ही पीछे को गिर गए।

आनन फानन में उनको डॉक्टरों के यहां ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उनके मृत होने की सूचना कस्बे में आग की तरह फैल गई सैकड़ों की संख्या में लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। सुबह सभी परिजन, रिश्तेदारों, मित्रों के साथ सुबह 11.15 पर ब्रजघाट में अंतिम संस्कार कर दिया गया।

डिबाई में मनाया गया पूर्व मुख्यमंत्री के पौत्र का जन्मदिन

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- अनाज मण्डी में नव निर्मित भाजपा विधायक कार्यालय का उद्घाटन सौरभ सिंह द्वारा फीता काटकर किया गया। वहीं इस दौरान सौरभ सिंह का जन्मदिन भी केक काटकर बडी ही सादगी से मनाया गया।आपको बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व० बाबूजी कल्याण सिंह के पौत्र एवम पूर्व एटा सांसद राजवीर सिंह उर्फ राजू भइया के पुत्र सौरभ सिंह का जन्म दिन डिबाई की अनाज मण्डी में डिबाई विधायक सीपी सिंह लोधी के नये कार्यालय पर मनाया

गया। जन्म दिन के मौके पर डिबाई विधायक सीपी सिंह लोधी व अन्य सैकडों भाजपा कार्यकताओं ने सौरभ सिंह को केक खिलाकर उन्हें जन्म दिन की शुभकानाएं दी इस दौरान सौरभ सिंह ने डिबाई की अनाज मण्डी में विधायक सीपी सिंह लोधी के पुत्र वीरेन्द्र कुमार के नये प्रतिष्ठान का उद्घाटन भी किया। उद्घाटन से पहले प्रतिष्ठान पर पंडित भानुप्रताप आर्य व मवासी सिंह आर्य के मुखारबिंदु से बिधिविधान अनुसार भजन पूजा का भी आयोजन कियागया।

इस दौरान केशरी सिंह लोधी,चरन सिंह लोधी,मलखान सिंह लोधी, अनार सिंह लोधी,भोला भईया एडवोकेट,रूपेन्द्र कुमार लोधी, राजवीर सिहं एडवोकेट, हाकिम सिंह लोधी,राहुल लोधी,सत्यवीर सिंह यादव के अलावा सैकडों भाजपा कार्यकर्ता व किसान मौजूद रहे।

चित्तसौन गांव में विकास के दावों की खुली पोल, कीचड़ और जलभराव के बीच मासूम गंदगी से निकलने को मजबूर

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- ग्रामीण विकास के सरकारी दावों और धरातल की हकीकत के बीच का अन्तर तहसील क्षेत्र के ग्राम चित्तसौन में साफ देखा जा सकता है। गाँव में विकास की स्थिति इतनी बदतर है कि यहाँ के ग्रामीणों का जीना दुर्लभ हो गया है। आलम यह है कि गाँव की गलियों में गन्दगी का अम्बार लगा है और मुख्य रास्ते तालाब में तब्दील हो चुके है। सबसे हृदयविदारक स्थिति स्कूल जाने वाले मासूम बच्चों की है। गाँव के मुख्य रास्तों पर घुटनों तक भरे गन्दे पानी और फिसलन भरे कीचड़ के बीच से गुजरकर बच्चे स्कूल जाने को मजबूर है। इस नरकीय

स्थिति के कारण न केवल बच्चों की ड्रेस और जूते खराब हो रहे है बल्कि आए दिन बच्चे इन रास्तों पर फिसल कर चोटिल भी हो रहे है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि देश का भविष्य कहे जाने वाले ये बच्चे हर दिन अपनी जान जोखिम में डाल कर और गन्दगी के बीच से होकर शिक्षा ग्रहण करने जा रहे है। जलभराव और चारों तरफ फैली गन्दगी के कारण गाँव में संक्रामक बीमारियों मलेरिया, डेंगू और त्वचा रोग का खतरा मंडराने लगा है।ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान ने विकास कार्यों की ओर से पूरी तरह अपनी आँखों पर पट्टी बांध ली है। कई बार शिकायत करने के बावजूद सफाई व्यवस्था और जल निकासी के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए है। गाँव में व्याप्त इस अव्यवस्था को लेकर ग्रामीणों में स्थानीय प्रशासन और ग्राम प्रधान के खिलाफ गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि जलभराव की समस्या ने उनका पैदल चलना भी दूभर कर दिया है। यदि समय रहते गन्दगी और जलभराव का समाधान नहीं किया गया तो गाँव में कोई बड़ी बीमारी फैल सकती है। जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

मेरठ-बदायूं हाईवे पर सड़क हादसों को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन मुस्तैद ब्लैक स्पॉट्स का किया निरीक्षण

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- मेरठ-बदायूं हाईवे पर बढ़ते सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहा है। एसपी सिटी और ट्रैफिक सीओ ने स्थानीय पुलिस टीम के साथ हाईवे के उन संवेदनशील स्थानों ब्लैक स्पॉट्स का बारीकी से निरीक्षण किया जहाँ दुर्घटनाओं की सम्भावना सबसे अधिक रहती है। निरीक्षण के दौरान पुलिस टीम ने नगर के प्रमुख चौराहों और पॉइंट्स का जायजा लिया। सलैमपुर तिराहा और 12 खम्भा जहांगीराबाद चुंगी और अग्रसेन चौक भगत सिंह चौक और तहसील के

पास स्थित संवेदनशील पॉइंट सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों पर विचार-विमर्श किया। निरीक्षण के दौरान एसपी सिटी, और ट्रैफिक सीओ, ने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक यज्ञदत्त शर्मा, व कस्बा इंचार्ज दिलीप सिंह, के साथ विस्तार से चर्चा की। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि इन पॉइंट्स पर एक्सीडेंट रोकने के लिए क्या तकनीकी सुधार या पुलिस मौजूदगी बढ़ाई जा सकती है। सड़क सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है जिन स्थानों पर एक्सीडेंट की सम्भावना अधिक है वहां यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराया जाएगा और आवश्यक संकेतक Signboards लगाए जाएंगे। इस दौरान एसपी सिटी और ट्रैफिक सीओ के साथ मुख्य रूप से कोतवाली प्रभारी निरीक्षक यज्ञदत्त शर्मा, कस्बा इंचार्ज दिलीप सिंह, रमेश चौधरी, और अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से भी यातायात नियमों का पालन करने और तेज रफ्तार से बचने की अपील की है ।

हरियाणा 10वीं बोर्ड रिजल्ट: पांच साल पहले पिता का निधन, मां ने नहीं मानी हार; जिला टॉपर बना बेटा

नरवाना। महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल नरवाना के छात्र वंश देव ने 500 में से 497 अंक के साथ प्रदेश में तृतीय व जिले में प्रथम स्थान हासिल किया। भगत सिंह कालोनी निवासी वंश देव की मां सरोज महर्षि दयानंद स्कूल में ही शिक्षिका है। वंश देव के पिता राजेश का वर्ष 2021 में निधन हो चुका है। उसके बाद मां उसका पालन-पोषण अच्छे से करने के लिए नरवाना मायके में ले आई थी। वंश देव एमडीएन स्कूल में छठी कक्षा में आ गया था और छठी से नौंवी कक्षा तक कक्षा में प्रथम आता रहा है। सरोज ने बताया कि वंश देव का सपना इंजीनियर बनने का है।आंखों में खुशी के आंसू

वह स्कूल व घर पर प्रतिदिन 18 घंटे पढ़ाई करता था। मोबाइल का प्रयोग नहीं किया और सेल्फ स्टडी की। सभी पेपर अच्छे हुए थे, इसलिए टॉप-10 में आने की पूरी उम्मीद थी। वीरवार को जब परीक्षा परिणाम आया, तो सरोज स्कूल में ही थी। जब शिक्षिकाओं ने वंश देव के हरियाणा में तृतीय स्थान आने की बात बताई, तो उसकी आंखों में खुशी के आंसू आ गए।दूसरे शिक्षिका भी यह पल देखकर भावुक हो गई। आर्य समाज के प्रधान चंद्रकांत आर्य व प्राचार्या सीमा शर्मा ने कहा कि वंश देव शुरू से ही होनहार रहा है।

उसकी इस उपलब्धि के लिए उसको विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा और पूरे शहर में उसकी उपलब्धि का ढोल-नगाड़ों के साथ बखान किया जाएगा।

हरियाणा में दिखा पीएम मोदी की अपील का असर, सीएम सैनी से लेकर मंत्रियों तक के काफिले में घटाई गईं गाड़ियां

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए वाहनों के काफिले में कटौती करने की अपील का असर हरियाणा में भी दिखने लगा है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने वीरवार को अपने काफिले में शामिल गाड़ियों की संख्या को सीमित कर दिया। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा साइकिल पर सवार होकर पंचकूला स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। इसी तरह पानीपत से विधायक प्रमोद विज भी अपनी गाड़ी की बजाय ट्रेन से सफर करके चंडीगढ़ पहुंचे। अधिकतर मंत्रियों तथा विधायकों ने अपने काफिले की गाड़ियों को कम कर दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने फ्लीट में न्यूनतम वाहनों के इस्तेमाल का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री के काफिले में प्रोटोकाल के अनुसार आठ से 15 गाड़ियां होती हैं। उन्हें जेड प्लस सिक्योरिटी मिली हुई है।ऐसे में सीएम के काफिले में 10 से ज्यादा एनएसजी कमांडो और पुलिसकर्मी समेत 55 ट्रेंड जवान तैनात किए जाते हैं। ये जवान चार से पांच गाड़ियों में चलते हैं। इसके अलावा सीएम स्टाफ के लिए दो से तीन गाड़ियां मुहैया कराई जाती हैं।मुख्यमंत्री नायब सैनी के काफिले में पहले अक्सर 14 से 15 गाड़ियां चलती थी। वीरवार को मुख्यमंत्री जब अपने आवास से निकले तो उनके काफिले में केवल चार गाड़ियां थी। इससे पहले उन्होंने बुधवार की रात इंटरनेट मीडिया एक्स पर सरकारी खजाने पर बोझ को कम करने वाले उपायों को लागू करने की घोषणा की थी। इस आदेश के बाद बीती रात आला अधिकारियों द्वारा विभिन्न विभागों में मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य वीआइपी श्रेणी के लिए उपलब्ध वाहनों की समीक्षा की गई। तय किया गया कि जहां एक से अधिक वाहन तैनात हैं, वहां उनकी संख्या आधी की जाएगी।

हरियाणा में चरखी दादरी ने रचा इतिहास, 10वीं और 12वीं बोर्ड रिजल्ट में बना टॉपर

चरखी दादरी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 10वीं और 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणामों में जिले द्वारा पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर चरखी दादरी के विधायक सुनील सांगवान ने जिले के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि पहले 12वीं और अब 10वीं के परिणामों में भी पूरे प्रदेश में नंबर-1 बनना जिले के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। विधायक सुनील सांगवान ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। चरखी दादरी लगातार शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है और अब प्रदेशभर में शिक्षा के मॉडल जिले के रूप में पहचान बना रहा है। विद्यार्थियों ने प्रतिभा का दिया परिचय जिले के बिगोवा स्कूल की छात्रा रौनक ने पूरे हरियाणा में दूसरा स्थान हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। इसके अलावा बोर्ड की मेरिट लिस्ट में भी जिले के कई विद्यार्थियों ने स्थान प्राप्त कर जिले की प्रतिभा का परिचय दिया है।ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की यह उपलब्धि साबित करती है कि मेहनत और सही मार्गदर्शन के दम पर कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। जिले का प्रथम स्थान पर रहना ऐतिहासिक सफलता जिला सचिव कृष्ण सिंह शास्त्री ने इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश का कुल परिणाम 89.6 प्रतिशत रहा है, जिसमें चरखी दादरी का 96.01 शीर्ष पर रहना गर्व व हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि 12वीं और 10वीं दोनों कक्षाओं के परीक्षा परिणाम में जिले का प्रथम स्थान पर रहना ऐतिहासिक सफलता है।यह सफलता अध्यापक व विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अभिभावकों का सकारात्मक सहयोग तथा शिक्षा अधिकारियों के कुशल नेतृत्व, सकारात्मक सोच व उचित मार्गदर्शन का परिणाम है।

हरियाणा में एक जुलाई से फिर शुरू होगा रफ्फ़, दो करोड़ छह लाख मतदाताओं की होगी जांच, 2500000 संदिग्ध वोटर्स पर संकट

चंडीगढ़। देश में शुरू हो रहे तीसरे चरण की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) कार्यक्रम में इस बार हरियाणा का नाम भी शामिल है। 16 राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों में संचालित हो रही एसआईआर प्रक्रिया के अंतर्गत हरियाणा में एक जुलाई से मतदाताओं के सत्यापन का महाअभियान चलेगा। करीब तीन माह की प्रक्रिया के बाद नई मतदाता सूचियां सार्वजनिक की जाएंगी। इस दौरान मतदाताओं और मतों की वैधता की बारीकी से जांच होगी। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) प्रक्रिया के अंतर्गत मृत मतदाताओं के नाम सूचियों से हटाए जाएंगे। डुप्लीकेट वोट काटे जाएंगे। स्थान बदल चुके मतदाताओं का सत्यापन होगा। दो करोड़ छह लाख आसपास मतदाता हैं नये पात्र मतदाताओं को सूचियों में जोड़ा जाएगा और गलत प्रविष्टियों को ठीक करने की प्रक्रिया अमल में लाई जाएगी। हरियाणा में अक्टूबर 2024 में विधानसभा चुनाव हुए थे। उस समय दो करोड़ तीन लाख मतदाता थे। इस समय राज्य में दो करोड़ छह लाख के आसपास मतदाता हैं। हरियाणा के चुनाव नतीजे आने के करीब आठ माह बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि राज्य में करीब 25 लाख मतों की चोरी हुई है।केंद्रीय व राज्य चुनाव आयोग ने हालांकि राहुल गांधी के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था और अपने आरोप को साबित करने के लिए प्रमाण व हलफनामा भी मांगा था, लेकिन न तो हलफनामा दायर हुआ और न ही आरोपों की सत्यता की पड़ताल हो सकी।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की थी पीसी हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए श्रीनिवास ने पिछले दिनों प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मीडियाकर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए यह आशंका जरूर जताई थी कि मतदाता सूचियों में डुप्लीकेट नाम, डबल और गैरवाजिब नाम हो सकते हैं। एक जुलाई से आरंभ होने वाली विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के अंतर्गत हरियाणा में दो करोड़ छह लाख मतदाताओं का सत्यापन होगा। राज्य में ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 21 जुलाई को प्रकाशित होगी, जबकि अंतिम निर्वाचक नामावली 22 सितंबर 2026 को जारी कर दी जाएगी, जिसके आधार पर अगले चुनाव कराए जाएंगे। हरियाणा में यह होगा रफ्फ़का पूरा कार्यक्रम केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार हरियाणा में एसआइआर प्रक्रिया कई चरणों में पूरी होगी। पांच जून से 14 जून तक अधिकारियों-कर्मचारियों की ट्रेनिंग और वोटर लिस्ट प्रिंटिंग का काम होगा। 15 जून से 14 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। 14 जुलाई को पोलिंग स्टेशनों का रेशनलाइजेशन होगा। 21 जुलाई को प्रारंभिक मतदाता सूची प्रकाशित होगी। 21 जुलाई से 20 अगस्त तक लोग नए नाम जोड़ने, नाम हटाने और सुधार के लिए आवेदन कर सकेंगे। नया नाम जोड़ने के लिए फार्म-6, नाम हटाने के लिए फार्म-7 तथा सुधार के लिए फार्म-8 भरना होगा। दावों और आपत्तियों पर इआरओ और एइआरओ सुनवाई कर फैसला लेंगे। 22 सितंबर 2026 को अंतिम निर्वाचक नामावली प्रकाशित की जाएगी। 20 हजार से ज्यादा बूथ, 25 हजार कर्मचारियों को प्रशिक्षण हरियाणा में कुल 20 हजार 629 मतदान केंद्र हैं। इन सभी बूथों पर मतदाता सूचियों का गहन सत्यापन किया जाएगा। इसके लिए करीब 25 हजार अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। बीएलओ (बूथ लेवल आफिसर) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। हर वोटर के पते, पहचान और पात्रता की जांच होगी। इस दौरान राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) भी सक्रिय रहेंगे। गांवों से लेकर शहरों तक हर बूथ पर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की संभावना है। घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ, दस्तावेज होंगे चैक एसआइआर प्रक्रिया का सबसे अहम हिस्सा होगा डोर-टू-डोर वेरिफिकेशन। बीएलओ हर घर तक पहुंचकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन करेंगे। मतदाताओं को पहचान और निवास संबंधी दस्तावेज दिखाने पड़ सकते हैं। राजनीतिक दलों के बीएलए यानी बूथ लेवल एजेंट भी सूची की जांच करेंगे और संभावित गड़बड़ियों पर आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। ऐसे में बूथ स्तर पर राजनीतिक दलों की सक्रियता काफी बढ़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

सोना-चांदी खरीदें या नहीं? असमंजस में ग्राहक! कीमतों में रिकॉर्ड उछाल से बाजारों में बढ़ी हलचल

झज्जर। बीते कुछ दिनों से वैश्विक परिस्थितियों के चलते सोने और चांदी की कीमतों में आई भारी तेजी ने स्थानीय बाजार की हलचल बढ़ा दी है। सोने के दामों में हुए जबरदस्त इजाफे के बाद आम जनता और स्वर्णकारों की चिंताएं भी गहरी हो रही हैं। स्थिति यह है कि अब दुकानों पर उन लोगों की संख्या बढ़ गई है, जो केवल फोन या व्यक्तिगत रूप से पहुंचकर भविष्य की कीमतों के बारे में पूछताछ कर रहे हैं। झज्जर जिले के सराफा बाजार में करीब 250 स्वर्णकार की दुकानें हैं, जिनमें छोटे शोरूम से लेकर बड़े प्रतिष्ठान शामिल हैं।इसके साथ ही करीब 100 से अधिक कुशल कारीगर दिन-रात आभूषण निर्माण के कार्य में जुटे रहते हैं। पिछले दो दिनों से बाजार का माहौल बदला हुआ नजर आ रहा है। स्वर्णकारों का कहना है कि ग्राहकों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है।नए निवेश के बजाय पुराने सोने को संवारें

बाजार में बढ़ रहे दामों को देखते हुए स्थानीय स्वर्णकारों ने ग्राहकों को व्यावहारिक सलाह देना शुरू कर दिया है। सुझाव है कि मौजूदा उच्च कीमतों के दौर में नया सोना खरीदने के स्थान पर लोग अपने घरों में रखे पुराने सोने को ही बेहतर करवाकर या मरम्मत करवाकर इस्तेमाल में लाएं। इससे न केवल आर्थिक बोझ कम होगा, बल्कि मौजूदा मांग और आपूर्ति के अंतर को भी पाटने में मदद मिलेगी। निवेश की दृष्टि से न खरीदें सोना - जयपाल लांबा

स्वर्णकार संघ के राष्ट्रीय पदाधिकारी जयपाल लांबा ने बाजार की वर्तमान स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि बढ़ते दाम हर स्तर पर चिंता पैदा कर रहे हैं। जयपाल लांबा के मुताबिक, हम भी चाहते हैं कि वर्तमान समय में लोग केवल निवेश की दृष्टि से सोने में पैसा न लगाएं। हमें मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों और प्रधानमंत्री के आह्वान को गंभीरता से समझना होगा। देशहित और व्यक्तिगत बचत को ध्यान में रखते हुए फिलहाल सोने में बड़ा निवेश करने से बचना ही समझदारी है। मार्केट में बढ़ी चिंता, कारीगरों पर भी असर

इधर, मार्केट में बढ़ रहे दामों का सीधा असर उन कारीगरों पर भी पड़ रहा है, जिनका काम नई मांग पर निर्भर करता है। जब नया सोना नहीं बिकता, तो नए आर्डर में कमी आती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दामों में यह अस्थिरता बनी रही, तो इसका व्यापक असर देखने को मिल सकता है। फिलहाल झज्जर का सराफा बाजार "देखो और इंतजार करो" की मुद्रा में है।

हरियाणा के फतेहाबाद में एचपीवी टीकाकरण अभियान ने पकड़ी रफ्तार, किशोरियों को मिल रही सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा

फतेहाबाद। जिले में किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाने के लिए चलाया जा रहा एचपीवी टीकाकरण अभियान अब रफ्तार पकड़ने लगा है। पिछले 15 दिनों के दौरान 300 से अधिक छात्राओं ने एचपीवी वैक्सीन लगवाई है, जबकि जिलेभर में अब तक करीब 650 किशोरियों को टीका लगाया जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग ने इस अभियान के तहत जिले में करीब आठ हजार पात्र छात्राओं को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य तय किया है।जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त निगरानी में यह अभियान स्कूलों, स्वास्थ्य संस्थानों और आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से संचालित किया जा रहा है।अधिकारियों का कहना है कि अभियान का मुख्य उद्देश्य किशोरियों को समय रहते सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा प्रदान करना है। इसके लिए स्वास्थ्य टीमें गांवों और शहरी क्षेत्रों में लगातार विशेष सत्र आयोजित कर रही हैं। 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियां हैं पात्र इस अभियान के तहत वही किशोरियां पात्र होंगी जिन्होंने 14 वर्ष की आयु पूरी कर ली है और 15 वर्ष की आयु पूरी नहीं की है। ह्यूमन पैपिलोमा वायरस महिलाओं के प्रजनन तंत्र को प्रभावित करता है और यही संक्रमण आगे चलकर सर्वाइकल कैंसर का कारण बनता है।एचपीवी टीका इस संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करता है और भविष्य में कैंसर का खतरा काफी हद तक कम कर देता है। महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर दूसरा सबसे बड़ा कैंसर माना जाता है। ऐसे में समय पर टीकाकरण ही सबसे प्रभावी बचाव है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार यह टीका पूरी तरह सुरक्षित और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है। भारत सरकार द्वारा अनुमोदित इस वैक्सीन का उपयोग विश्व के 160 से अधिक देशों में किया जा रहा है। डॉक्टरों की निगरानी में लगाए जा रहे टीके स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पात्र किशोरियों को वैक्सीन की केवल एक खुराक दी जाएगी और अभियान को तीन माह के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। टीकाकरण प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा डाक्टरों की निगरानी में किया जा रहा है। इसके लिए जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और पीएचसी स्तर तक विशेष सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग अभिभावकों को भी जागरूक कर रहा है ताकि टीकाकरण को लेकर किसी प्रकार की भ्रांतियां न रहें। विभाग का कहना है कि निजी अस्पतालों में यह वैक्सीन काफी महंगी है,

लेकिन सरकार पात्र किशोरियों को यह टीका पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध करवा रही है। इन परिस्थितियों में नहीं लगाया जाएगा टीका टीकाकरण के बाद इंजेक्शन वाली जगह पर दर्द, हल्का बुखार या चक्कर आने जैसे सामान्य दुष्प्रभाव हो सकते हैं, जो कुछ समय बाद अपने आप ठीक हो जाते हैं। निर्धारित आयु सीमा से बाहर की किशोरियों, पहले से एचपीवी वैक्सीन ले चुकी बच्चियों, वैक्सीन के किसी घटक से गंभीर एलर्जी रखने वालों तथा मध्यम या गंभीर बीमारी से पीड़ित किशोरियों को यह टीका नहीं लगाया जाएगा। टीकाकरण से पहले ओटीपी आधारित सहमति और आवश्यकता पड़ने पर अभिभावकों की लिखित अनुमति भी ली जा रही है। सभी लाभार्थियों का रिकार्ड आनलाइन यू-विन पोर्टल पर दर्ज किया जा रहा है। टीकाकरण के बाद छात्राओं को डिजिटल प्रमाण पत्र भी जारी किया जाएगा, जिसे मोबाइल नंबर पर भेजे गए लिंक के माध्यम से डाउनलोड किया जा सकेगा।

हरियाणा में प्राइवेट प्रोजेक्ट को अब शामलात देह जमीन से मिलेगा रास्ता, गांव के लोग भी कर सकेंगे इस्तेमाल

चंडीगढ़। हरियाणा में अब निजी परियोजनाओं को शामलात देह जमीन से रास्ता मिल सकेगा। हालांकि इस रास्ते पर पंचायत का अधिकार रहेगा और इसका उपयोग आमजन भी कर सकेंगे। हरियाणा में प्राइवेट प्रोजेक्ट के लिए शामलात देह जमीन का होगा इस्तेमाल, गांव के लोग कर सकेंगे इस्तेमाल ग्राम पंचायत के 75 प्रतिशत सदस्यों और ग्राम सभा के 66 प्रतिशत सदस्यों की सहमति होने पर ही यह रास्ता दिया जाएगा। इतना ही नहीं, बदले में निवेशकों को परियोजना स्थल के पांच प्रतिशत हिस्से या रास्ते की चार गुणा भूमि का स्वामित्व अधिकार (जो भी अधिक हो) भी सरकार को देना होगा।विकास और पंचायत विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेन्द्र कुमार ने हरियाणा ग्राम साझा भूमि (विनियमन) संशोधन नियम अधिसूचित कर दिया है। सरकार गांव की जमीन से देगी रास्ता नए नियमों के अनुसार यदि किसी निजी परियोजना को स्थापित करने के लिए आवश्यक भूमि उपयोग परिवर्तन (सीएलयू) या लाइसेंस प्राप्त होने के बाद वहां तक पहुंचने के लिए रास्ता नहीं है तो सरकार गांव की साझा जमीन से मार्ग उपलब्ध करवा सकेगी।राज्य में बुनियादी ढांचा, आवास, औद्योगिक और वाणिज्यिक परियोजनाओं के लिए विभिन्न विभागों से अनुमति लेने के साथ ही तय मानकों के अनुसार सड़क की उपलब्धता भी जरूरी होती है। पहले शामलात देह की जमीन को न तो बेचा जा सकता था और न ही लंबे समय के लिए पट्टे पर दिया जा सकता था। परियोजनाओं को गति मिलने की उम्मीद इससे परियोजनाओं को रास्ता देने में दिक्कत आती थी। नए फैसले से इन बाधाओं के दूर होने और विकास परियोजनाओं को गति देने में मदद मिलने की उम्मीद है। निवेशक द्वारा रास्ते के बदले में सरकार को हस्तांतरित की गई भूमि परियोजना के लिए स्वीकृत कुल क्षेत्र का हिस्सा मानी जाएगी। यह भूमि पूरी तरह से विकसित रूप में और परियोजना के शेष क्षेत्र में उपयोग की जा रही अन्य सभी उपयोगिता सेवाओं (जैसे बिजली, पानी आदि) तक पहुंच के साथ उपलब्ध कराई जाएगी।

गंगा से बुझेगी हरियाणा के इस जिले की प्यास, नायब सरकार का मास्टर प्लान तैयार; जल्द शुरू होगा पाइपलाइन का काम

चंडीगढ़। पेयजल की समस्या से जूझ रहे फरीदाबाद के लोगों की प्यास अब गंगा नदी के पानी से बुझाने की योजना है। शहर तक गंगा जल पहुंचाने के लिए प्रदेश सरकार ने मास्टर प्लान और पाइपलाइन रूट लगभग तैयार कर लिया है। परियोजना को लेकर जल्द ही मुख्यमंत्री बैठक लेंगे, जिसमें निर्माण कार्य और बजट को अंतिम मंजूरी दी जा सकती है। इसके बाद परियोजना पर जमीन स्तर पर काम शुरू होगा। परियोजना के तहत उत्तर प्रदेश की ऊपरी गंगा नहर से पानी लाकर फरीदाबाद में स्थापित किए जाने वाले ट्रीटमेंट प्लांट्स तक पहुंचाया जाएगा। वहां शुद्धीकरण के बाद पाइपलाइन नेटवर्क के जरिए शहर के विभिन्न इलाकों में पानी की सप्लाई की जाएगी। सरकार का मानना है कि गंगा जल परियोजना लागू होने के बाद शहर की भूजल पर निर्भरता कम होगी और लोगों को नियमित रूप से बेहतर गुणवत्ता का पानी उपलब्ध कराया जा सकेगा। इसके अलावा यमुना के पानी की गुणवत्ता और उपलब्धता में आने वाले उतार-चढ़ाव से भी राहत मिलने की उम्मीद है।परियोजना के लिए तकनीकी सर्वे पूरा किया जा चुका है। पाइपलाइन रूट को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों में कम से कम बाधा आए और जलापूर्ति का दबाव बना रहे। योजना के तहत हाई-प्रेशर पाइपलाइन नेटवर्क तैयार किया जाएगा, जिसे मौजूदा बूस्टिंग स्टेशनों के साथ जोड़ा जाएगा। इससे शहर के सभी हिस्सों में समान रूप से पानी पहुंचाने में मदद मिलेगी। अधिकारियों का दावा है कि यह परियोजना भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है और आने वाले कई दशकों तक फरीदाबाद की पानी की जरूरतों को पूरा कर सकेगी। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने बताया कि फरीदाबाद तक गंगा जल पहुंचाने की योजना शहर के लिए बड़ी उपलब्धि साबित होगी। मास्टर प्लान और पाइपलाइन रूट को अंतिम रूप दिया जा चुका है। सरकार चाहती है कि लोगों को आने वाले वर्षों तक पानी की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि परियोजना पूरी होने के बाद शहर में जल संकट काफी हद तक कम होगा और लोगों को नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

हरियाणा में रोडवेज बसों की कमी के चलते कई बड़े रूटों पर सेवा बंद, यात्रियों की बढ़ीं मुश्किलें

कैथल। रोडवेज डिपो में इस समय बसों की कमी है। बसों की कमी के कारण कई बड़े रूटों पर बस सेवा शुरू नहीं हो पा रही है। इनमें वैद्यनाथ, पुष्कर, गंगानगर और बीकानेर जैसे रूट शामिल हैं। इस समय डिपो में करीब 160 बसें हैं और इनमें से 46 बसें ही बीएस-6 माडल की हैं। बाकी बसें पुराने माडल की हैं और कई बार रास्ते में खराब भी हो जाती हैं। डिपो में इस समय करीब 90 नई बसों की जरूरत है। हालांकि डिपो की तरफ से नई बसों को लेकर डिमांड भेजी हुई है। डिपो को वैद्यनाथ रूट के लिए कुछ समय पहले ही परमिट जारी हुआ था। अन्य रूटों के लिए पहले से ही परमिट डिपो के पास है, लेकिन बसों के अभाव में अब तक संचालन शुरू नहीं हो सका है। इससे यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इन रूटों पर यात्रा करने वाले लोगों को मजबूरी में निजी बसों या अन्य साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है, इससे उनका खर्च बढ़ गया है।लोगों को हो रही परेशानी

खासकर धार्मिक स्थलों वैद्यनाथ और पुष्कर जाने वाले यात्रियों को ज्यादा परेशानी हो रही है। गंगानगर और बीकानेर जैसे शहरों के लिए भी नियमित यातायात प्रभावित हो रहा है। यात्रियों के अनुसार लंबे समय से इन रूटों पर बस सेवा की मांग की जा रही थी। परमिट मिलने के बाद उम्मीद जगी थी कि अब सुविधा शुरू हो जाएगी, लेकिन बसों की कमी के कारण समस्या का हल नहीं हो पाया है। यात्रियों ने परिवहन विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द नई बसें उपलब्ध कराकर इन रूटों पर सेवाएं शुरू की जाएं ताकि लोगों को राहत मिल सके। रोडवेज डिपो में लगातार बसें कंडम घोषित की जा रही हैं। करीब एक साल में करीब 52 बसें कंडम की जा चुकी हैं। ऐसे में डिपो में लगातार बसों की संख्या भी कम हो रही हैं। जो बसें कंडम की गई हैं वे अपने दस वर्ष और दस लाख किलोमीटर पूरे कर चुकी थी। ये बसें पुरानी होने के कारण लोकल रूटों पर चलती थी। कई बार रास्ते में खराब हो जाती थी, जिससे यात्रियों को भी परेशानी होती थी। बसें कम होने के कारण डिपो की तरफ से दस से ज्यादा रूटों पर बसों के चक्कर कम कर दिए गए हैं। डिपो में अभी भी बीएस-थ्री की करीब 35 बसें है जिनकी हालात खराब हो चुकी है। इनमें से ज्यादातर बसें रिपेयर के लिए वर्कशाप में खड़ी रहती है। एनसीआर के जिलों में भेजने के लिए डिपो के पास 46 बसें ही उपलब्ध है। हालांकि किलोमीटर स्कीम के तहत 23 बसों का संचालन भी किया जा रहा है। जनसंख्या के अनुसार चाहिए 250 बसें जिला की जनसंख्या के अनुसार डिपो के पास 250 बसों का बेड़ा होना चाहिए, लेकिन फिलहाल 160 बसें है।

100 से ज्यादा बसें काफी पुराना व खटारा हो चुकी हैं। इन बसों को लोकल रूटों पर ही चलाया जा रहा है। कैथल डिपो को काफी समय से नई बसें नहीं मिली हैं। पुरानी बसें बीच रास्ते खराब हो जाती हैं। 90 नई बसों की डिपो को आवश्यकता है। आमदनी भी बसें चलने के बाद डिपो की बढ़ सकती है। बस न चलने के कारण आमदनी पर काफी असर पड़ रहा है।

चंडीगढ़ में क्लब में लगी आग; जरनेटर से उठी चिंगारी ने लिया भयंकर रूप, लपटें देखकर सहमे लोग, मची भगदड़

चंडीगढ़। सेक्टर-26 स्थित डैफ्लो क्लब की पिछली तरफ वीरवार दोहपर बाद आग लग गई। आग की लपटें देखकर लोग सहम गए और भगदड़ मच गई। आग की लपटें इतनी भयानक है कि पल में सामान खाक हुए जा रहा है। सूचना के बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग क्लब की पिछली तरफ रखे जनरेटर से शुरू हुई। इसके बाद आस-पास रखे सामान को भी कब्जे में ले लिया। बताया जा रहा है पिछली तरफ काफी अवैध निर्माण किया गया है। लकड़ी और प्लास्टिक फाइबर से अस्थाई स्ट्रक्चर बना है। इसमें आग तेजी से फैल रही है। अभी आग पर काबू नहीं पाया गया है। कई फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आ चुकी हैं। गर्मी अत्यधिक होने से आग तेजी से फैल रही है।

किडनी-लिवर के लिए फायदेमंद है किशमिश का पानी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक किशमिश ही नहीं, किशमिश का पानी भी आपकी सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है। अगर आप हर रोज किशमिश का पानी पीते हैं, तो आपके पूरे शरीर पर ढेर सारे पॉजिटिव असर पड़ सकते हैं। सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का शिकार बनने से बचने के लिए भी आप औषधीय गुणों से भरपूर इस ड्रिंक को पीना शुरू कर सकते हैं।

किडनी-लिवर के लिए फायदेमंद

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि किशमिश का पानी आपकी किडनी के फंक्शन को सुधारने में मदद करता है। इसके अलावा इस ड्राई फ्रूट का पानी लिवर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में भी कारगर साबित हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए ये एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है।

मजबूत बनाए दिल की सेहत

अगर आप हाई ब्लड प्रेशर की समस्या पर काबू पाना चाहते हैं, तो किशमिश का पानी पीना शुरू कर दीजिए। किशमिश का पानी पीने से आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बनाकर दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं। इसके अलावा फाइबर रिच किशमिश का पानी आपकी गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

हड्डियों के लिए फायदेमंद

क्या आप जोड़ों के दर्द की समस्या से छुटकारा पाकर अपनी हड्डियों को मजबूत बनाना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको किशमिश के पानी को अपने डेली डाइट प्लान में शामिल कर लेना चाहिए। इसके अलावा एनीमिया से बचने के लिए भी किशमिश का पानी पीने की सलाह दी जाती है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सही मात्रा में और सही तरीके से किशमिश का पानी पीना बेहद जरूरी है।

विटामिन बी12 की अधिकता से हो सकते हैं ये रोग

विटामिन बी12 की कमी की वजह से सेहत पर पड़ने वाले नेगेटिव असर के बारे में ज्यादातर लोग जानते होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से भी आपकी सेहत पर कुछ साइड इफेक्ट्स पड़ सकते हैं? कुल मिलाकर किसी भी चीज की कमी या फिर अति सेहत पर भारी पड़ सकती है। यही वजह है कि आपको किसी भी पोषक तत्व को संतुलित मात्रा में ही अपने डाइट प्लान में शामिल करना चाहिए।

सिर में दर्द/चक्कर

अगर आपके शरीर में विटामिन बी12 की ज्यादा मात्रा चली जाए, तो आपको मतली, सिर में दर्द या फिर चक्कर की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप इस तरह की समस्याओं से बचना चाहते हैं तो आपको विटामिन बी12 का इंजेक्शन लेने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट जरूर करना चाहिए।

हार्ट हेल्थ पर पड़ सकता है असर

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विटामिन बी12 की अधिकता आपकी हार्ट हेल्थ पर भारी पड़ सकती है। इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपके दिल की धड़कन बढ़ सकती है। इसके अलावा अगर आप किडनी से जुड़ी किसी बीमारी से जूझ रहे हैं, तो आपको विटामिन बी12 सप्लीमेंट लेने से बचना चाहिए।

त्वचा के लिए हानिकारक

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक विटामिन बी12 की अधिकता, आपके शरीर के साथ-साथ आपकी त्वचा पर भी बुरा असर डाल सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपको मुंहासों, खुजली और रैश जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपके शरीर में इस विटामिन की अधिकता है, तो आपको अपने डाइट प्लान में विटामिन बी12 से भरपूर खाने-पीने की चीजों को शामिल करने से बचना चाहिए।

फंगल इंफेक्शन किस विटामिन की कमी से होता है?

क्या आपको भी बार-बार फंगल इंफेक्शन की समस्या से जूझना पड़ता है? अगर हां, तो हो सकता है कि आपके शरीर में किसी जरूरी पोषक तत्व की कमी पैदा हो गई हो। अगर किसी विटामिन की कमी के कारण आपको फंगल इंफेक्शन हो रहा है, तो आपको जल्द से जल्द इस विटामिन डेफिशिएंसी को दूर करने की कोशिश में जुट जाना चाहिए। आइए फंगल इंफेक्शन का कारण बनने वाले इस जरूरी पोषक तत्व के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

विटामिन डी की कमी

विटामिन डी की कमी न केवल आपकी सेहत को बल्कि आपकी त्वचा को भी बुरी तरह से प्रभावित कर सकती है। अगर आपके शरीर में विटामिन डी की कमी पैदा हो गई है, तो आपको बार-बार फंगल इंफेक्शन हो सकता है। इसके अलावा इस जरूरी पोषक तत्व की कमी कैंडिड संक्रमण के खतरे को भी बढ़ा सकती है।

विटामिन सी की कमी

विटामिन डी के अलावा विटामिन सी की कमी भी आपकी त्वचा की सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है। विटामिन सी की कमी की वजह से आपके इम्यून सिस्टम पर भी बुरा असर पड़ता है जिसकी वजह से आपके फंगल इंफेक्शन को ठीक होने में भी ज्यादा समय लग सकता है।

दूर करें डेफिशिएंसी

विटामिन डी और विटामिन सी की कमी को दूर करने के लिए आपको अपने डाइट प्लान में थोड़े-बहुत बदलाव करने की जरूरत है। विटामिन डी की कमी को दूर करने के लिए गाय का दूध, मशरूम, अंडे की जर्दी का सेवन किया जा सकता है। विटामिन सी रिच संतरा, किवी, ब्रोकली, टमाटर और शिमला मिर्च का सेवन कर आप इस विटामिन की कमी को दूर कर सकते हैं। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए खाने-पीने की इन चीजों को सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम करना बेहद जरूरी है।

सुबह वॉक करने से पहले इन ज़रूरी बातों का रखें खास ध्यान

सुबह के समय वॉक करने से दिनभर ताजगी का अनुभव होता है। सुबह की वॉक सिर्फ शारीरिक सेहत ही नहीं बल्कि मानसिक सेहत के लिहाज़ से भी बेहद फायदेमंद है। इसलिए अपने आप को फिट और ऊर्जा से भरपूर रखने के लिए लोग सुबह के समय वॉक करना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं सुबह की वॉक से पहले आपको इन कुछ ज़रूरी बातों का ख़ास ख्याल रखना चाहिए। अगर आप सुबह वॉक से पहले इन बातों का ध्यान नहीं रखेंगे तो फायदे की जगह आपके स्वास्थ्य को नुकसान हो सकता है।

वॉक से पहले पानी ज़रूर पिएं

जब आप उठते हैं तो आपके शरीर में पहले से ही पानी की कमी हो रही होती है। आप 6-8 घंटे तक एक घूंट भी पानी पिए बिना रह चुके होते हैं। इसलिए, बिना पानी पिए टहलने के लिए निकलना खतरनाक हो सकता है। अगर आपके शरीर में पहले से ही तरल पदार्थ की कमी है, तो पसीने की कमी से तेज़ी से डिहाइड्रेशन हो सकता है जिससे मांसपेशियों में ऐंठन, सिरदर्द और थकान हो सकती है। इसलिए सुबह उठते ही एक या दो गिलास पानी पिएँ।

खाली पेट वॉक करने न जाएँ

कई लोगों को लगता है कि खाली पेट वॉक करने से वजन तेजी से कम होगा। जबकि ऐसा नहीं है, अगर आप भूखे पेट वॉक करने जाते हैं तो चक्कर या सिरदर्द महसूस हो सकता है। कम रक्त शर्करा के कारण कमज़ोरी, मतली या टहलने के दौरान बेहोशी भी महसूस हो सकती है। ऐसे में वॉक से पहले पूरा नाश्ता करने की ज़रूरत नहीं है। लेकिन कुछ हल्का फुल्का खाना ठीक रहेगा। जैसे एक केला, मुट्ठी भर भीगे हुए बादाम, टोस्ट का आधा टुकड़ा या एक छोटी सी फ्रूट स्मूदी।

वार्म-अप ज़रूर करें

वॉक से पहले एक छोटा सा स्ट्रेच रूटीन आपके हेल्दी और फिट शरीर के लिए बेहद ज़रूरी होता है। इसलिए, भले ही आप सुबह के समय सिर्फ़ 30 मिनट ही वॉक क्यों न चल रहे हों। कम से कम 3-5 मिनट का वार्म-अप ज़रूर करें। वार्म अप में आप एड़ियों को घुमाएँ, हल्के से पैर के अंगूठे को छूएँ, कंधे को हिलाएँ और गर्दन को घुमाएँ।

वॉक से पहले कैफीन का इस्तेमाल ज़्यादा न करें

वॉक से पहले कई लोग एक गर्म कप चाय या कॉफ़ी पीना पसंद करते हैं। लेकिन वॉक से पहले कैफीन का सेवन करना नुकसानदायक हो सकता है। कुछ लोगों के लिए, खाली पेट कैफीन वॉक के दौरान एसिडिटी या पेट खराब होने का कारण बन सकता है। अगर, आप ऐसे व्यक्ति हैं जो चाय या कॉफ़ी के बिना काम नहीं कर सकते, तो वॉक के बाद इसे पीने की कोशिश करें। इस तरह, पाचन क्रिया सक्रिय रहेगी, आप फिर से हाइड्रेट होंगे।

शरीर को कमजोर बना सकती है प्रोटीन की कमी

अगर आपके शरीर में किसी भी पोषक तत्व की कमी पैदा हो जाए, तो सेहत से जुड़ी कई समस्याएं आपके शरीर पर हमला बोल सकती हैं। यही वजह है कि हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर हेल्दी और बैलेंस्ड डाइट प्लान को फॉलो करने की सलाह देते हैं। प्रोटीन शरीर के लिए एक जरूरी तत्व है। आइए इस तत्व की कमी की वजह से शरीर में दिखाई देने वाले कुछ लक्षणों के बारे में जानते हैं।

थकान और कमजोरी

प्रोटीन की वजह से आप एनर्जेटिक महसूस करते हैं। अगर आपको हर समय थकान और कमजोरी महसूस होती रहती है, तो हो सकता है कि आपके शरीर में प्रोटीन की कमी पैदा हो गई हो। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मसल पेन भी इसी पोषक तत्व की कमी का संकेत साबित हो सकता है।

ज्यादा भूख लगना

प्रोटीन की कमी की वजह से आपको ज्यादा भूख लग सकती है या फिर खाने के बाद भी पेट खाली लग सकता है। अगर आपके शरीर में प्रोटीन की कमी पैदा हो गई है, तो आपके घाव भी धीरे-धीरे भर पाएंगे। प्रोटीन की कमी की वजह से आपको सडन वेट लॉस का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा अगर आपकी इम्यूनिटी कमजोर हो गई है और आप बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, तो ये लक्षण भी प्रोटीन की कमी की तरफ इशारा कर सकता है।

गौर करने वाली बात - प्रोटीन की कमी न केवल आपके शरीर पर बल्कि आपकी त्वचा और आपके बालों पर भी नेगेटिव असर डाल सकती है। क्या आपकी त्वचा रूखी, फटी या फिर खुरदुरी हो गई है? अगर हां, तो हो सकता है कि आपके शरीर में प्रोटीन की कमी पैदा हो गई हो। बाल झड़ना या फिर नाखून टूट जाना भी इस पोषक तत्व की कमी का संकेत हो सकता है।

हाई यूरिक एसिड से जूझ रहे हैं, तो खाली पेट कर लीजिए इन चीजों का सेवन

जोड़ों के दर्द से मिल जाएगी राहत

क्या आप जानते हैं कि जब आपके शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ जाती है, तो आपको जोड़ों में असहनीय दर्द और सूजन हो सकती है? यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए आपको अपने खान-पान पर खास ध्यान देने की जरूरत है। अगर आप खाली पेट सही मात्रा में पोषक तत्वों से भरपूर कुछ चीजों का सेवन करते हैं, तो आपको हाई यूरिक एसिड की समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

फायदेमंद साबित होगा आंवला

दादी-नानी के जमाने से आंवला को सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता रहा है। यूरिक एसिड के स्तर पर काबू पाने के लिए आप आंवला को अपने डेली डाइट प्लान में शामिल कर लेना चाहिए। हर रोज सुबह खाली पेट एक आंवला खाएं या फिर गुनगुने पानी के साथ आंवला पाउडर को मिक्स कर कंज्यूम कर लें।

पी सकते हैं नींबू का पानी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक हाई यूरिक एसिड की समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप नींबू पानी का सेवन भी कर सकते हैं। विटामिन सी रिच नींबू पानी यूरिक एसिड को न्यूट्रल करने में कारगर साबित हो सकता है। सुबह-सुबह खाली पेट एक गिलास गुनगुने पानी में हाफ नींबू निचोड़कर पी जाएं और खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर महसूस करें। अगर आप चाहें तो औषधीय गुणों से भरपूर इस ड्रिंक में पोषक तत्वों वाले शहद को भी मिक्स कर सकते हैं।

अलसी के बीज फायदेमंद

क्या आप जानते हैं कि अलसी के बीज में पाए जाने वाले तत्व यूरिक एसिड की समस्या को दूर करने में कारगर साबित हो सकते हैं? एक स्पून अलसी के बीज को रात भर पानी में भिगोएं और फिर अगली सुबह पानी के साथ कंज्यूम कर लें। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए खाली पेट अलसी के बीज खाएं।

संजय लीला भंसाली की फिल्म में धनुष ने किया राम चरण को रिप्लेस

संजय लीला भंसाली की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। कुछ समय पहले ऐसी खबरें आई थीं कि संजय लीला भंसाली की अगली पौराणिक जंगल ड्रामा में साउथ स्टार राम चरण प्रमुख भूमिका में नजर आ सकते हैं। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि संजय लीला भंसाली की इस फिल्म में राम चरण नहीं बल्कि, कोई और साउथ स्टार प्रमुख भूमिका में नजर आएगा।
वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, संजय लीला भंसाली के आगामी जंगल पर आधारित भव्य फिल्म में राम चरण नहीं बल्कि धनुष प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। ये संजय लीला भंसाली का एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। अब धनुष को इसके लिए फाइनल कर लिया गया है। इसका निर्माण संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शंस के बैनर तले किया जाएगा, जबकि तमिल फिल्म निर्माता पी.एस. मिथ्रन इसका निर्देशन करेंगे। मिथ्रन इरुम्बु थिरई, हीरो और सरदार जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं और इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। खास बात यह है कि वो धनुष के साथ पहली बार काम करेंगे।

स्क्रिप्ट में किए गए बदलाव

रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि पी.एस. मिथ्रन 'राउडी राठौर 2' पर काम कर रहे थे, लेकिन चूंकि यह प्रोजेक्ट फाइनल नहीं हो सका, इसलिए उन्होंने कई अन्य विकल्पों पर विचार करना शुरू किया। तभी इस फिल्म की कहानी सामने आई। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि कहानी को अंतिम रूप देने में कई बार बदलाव और सुधार करने पड़े, जो कुछ महीने पहले ही हुआ था। इसी दौरान उन्होंने मुख्य अभिनेता की तलाश शुरू की। राम चरण से बातचीत चल रही थी, लेकिन बात नहीं बनी, इसलिए धनुष को चुना गया। फिल्म की शूटिंग 2027 की शुरुआत में शुरू होने की संभावना है।

थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम, एक्टर्स को ज्यादा सम्मान मिलना चाहिए

अभिनेत्री रश्मि देसाई ने थिएटर एक्टर्स की मेहनत और संघर्ष पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम है, जहां कलाकार बहुत मेहनत करते हैं लेकिन उन्हें समय पर उनका हक नहीं मिल पाता। रश्मि देसाई का कहना है कि थिएटर ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया है। उन्होंने थिएटर को एक खूबसूरत और सीखने लायक माध्यम बताया है। अभिनेत्री ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बताया, 'थिएटर एक्टर्स बहुत मेहनत करते हैं। उन्हें उनका हक समय पर नहीं मिलता। वे जिस तरह का मजा करते हैं, उनका एक छोटा सा परिवार होता है और वे उसी में खुश रहते हैं। उन्हें किसी और की तारीफ की जरूरत नहीं होती। उन्हें यह सुनने की जरूरत नहीं होती कि ठीक है, यह करो, वह करो।' रश्मि ने थिएटर कलाकारों की रिस्क लेने की क्षमता की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि थिएटर एक्टर्स रिस्क लेने के लिए तैयार रहते हैं। अगर कोई गलती हो जाए या असफलता हो तो भी उनके साथी उनका हाथ थाम लेते हैं और कहते हैं कि यह वक्त भी गुजर जाएगा। रश्मि के अनुसार, थिएटर सीखने का सबसे अच्छा माध्यम है जहां हर असफलता के बाद नई शुरुआत होती है।
अभिनेत्री ने थिएटर कलाकारों के लिए ज्यादा सम्मान की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'वे ज्यादा इज्जत के हकदार हैं। लोगों को थिएटर और थिएटर एक्टर्स के बारे में और जानना चाहिए। यह काम करने के लिए बहुत खूबसूरत माध्यम है।' रश्मि देसाई ने अपने थिएटर अनुभव पर खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि उन्होंने इतने लंबे समय बाद थिएटर किया। उन्होंने वैशाली, प्रतिमा, अयूब, ओजस रावल और आसिफ पटेल जैसे सह-कलाकारों और निर्देशकों का आभार व्यक्त किया। रश्मि ने उन्हें कमाल और बेहद पॉजिटिव लोग बताया। रश्मि देसाई का करियर साल 2006 में 'रावण' से शुरू हुआ। इसके बाद 'परी हूं मैं' में डबल रोल और 'उतरन' से उन्हें व्यापक लोकप्रियता मिली।

दादा के रोल में नजर आएंगे जैकी श्रॉफ

जैकी श्रॉफ जल्द ही फिल्म 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' में नजर आएंगे। इस फिल्म में जैकी एक सुपरहीरो दादा की भूमिका निभा रहे हैं। जैकी श्रॉफ की फिल्म 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' के निर्माताओं ने इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। इस फिल्म में जैकी एक सुपरहीरो दादा की भूमिका में नजर आएंगे। आज निर्माताओं ने फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया है। इसी के साथ जानकारी दी है कि 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' फिल्म इस साल 29 मई को रिलीज होगी। 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' फिल्म का निर्देशन मनीष सैनी ने किया है। इसमें प्रतीक, स्मिता पाटिल, भाग्यश्री दासानी, शरत सक्सेना, मिहिर गोडबोले और कई कलाकार भी हैं। जैकी श्रॉफ ने कहा, 'इस फिल्म के जरिए हम हर बच्चे के सपने को पूरा कर रहे हैं। अगर आपका दिल हमेशा जवान रहे और 90 साल की उम्र में भी हिम्मत बनी रहे, तो यही आपको सुपरहीरो बनाता है। बच्चों के सपनों को हमेशा सबसे पहले जगह देनी चाहिए।'

हॉलीवुड फिल्म 'बिफोर सनराइज' की वजह से 'एक दिन' को कहा हां

साउथ की दिग्गज अभिनेत्री साई पल्लवी ने आमिर खान प्रोडक्शन हाउस की फिल्म 'एक दिन' से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया है। इस फिल्म में वो आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाई नहीं कर पाई है। वहीं क्रिटिक्स से भी फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रियाएं ही हासिल हुई हैं। अब साई पल्लवी ने खुद बताया कि क्यों उन्होंने 'एक दिन' के लिए हां कहा और स्क्रिप्ट में उन्हें क्या चीज पसंद आई। आमिर खान टॉकीज के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर साई पल्लवी और जुनैद खान का एक वीडियो साझा किया गया है। इसमें दोनों कलाकार अपनी फिल्म 'एक दिन' के बारे में बातचीत कर रहे हैं। इस दौरान जब जुनैद ने साई से 'एक दिन' को हां करने के फैसले के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा यकीन था कि वह यह फिल्म नहीं करेंगी, क्योंकि वह कई भाषाओं में बड़ी-बड़ी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि फिल्म का पैमाना मुझे प्रभावित नहीं करता। उस समय तक मैंने कई गंभीर फिल्में की थीं और मैं कुछ हल्का-फुल्का करना चाहती थी। ऐसी फिल्म जिसमें मुझे शूटिंग के दौरान और बाद में भी ज्यादा तनाव न झेलना पड़े। इसलिए जब स्क्रिप्ट आई, तो मुझे लगा कि यह हॉलीवुड फिल्म 'बिफोर सनराइज' जैसी होगी। क्योंकि मुझे 'बिफोर सनराइज' पसंद है और मुझे लगा कि यह भी वैसी ही होगी।

फिल्म में अपनी कास्टिंग को गलत मानती हैं साई

साई ने यह भी बताया कि आमिर खान का इस प्रोजेक्ट से जुड़ना फिल्म को हां कहने का एक बड़ा कारण है। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं आमिर खान के करियर को करीब से देखती आ रही हूं। इसमें अलग-अलग तरह की फिल्में और किरदार हैं। इस दौरान साई ने खुलासा किया कि शुरुआत में मुझा लगा था कि 'एक दिन' में मुझे नहीं होना चाहिए था। मेरी कास्टिंग सही नहीं है। प्रीमियर के बाद जब आमिर ने साई से कुछ कहने को कहा, तो साई ने उनसे कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं इस भूमिका के लिए बनी थी और मुझे लगता है कि मेरी कास्टिंग गलत हुई है। मुझे लगता है कि यह भूमिका किसी नई एक्ट्रेस को मिलनी चाहिए थी, जिसमें थोड़ी सी चंचलता हो। हालांकि, जुनैद ने साई के इस विचार से असहमति जताते हुए कहा कि यह भूमिका उनके लिए ही बनी है।

'द पोर्टल ऑफ फोर्स' से अंतरराष्ट्रीय सफर की शुरुआत करेंगी दिशा पाटनी

बॉलीवुड कलाकारों ने अंतरराष्ट्रीय फिल्मों और वेब सीरीज की दुनिया में अपनी खास जगह बनानी शुरू कर दी है। प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट के बाद अब अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली इंटरनेशनल मूवी 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। ट्रेलर में वह एक्शन करती नजर आ रही हैं। फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' एक बड़ी काल्पनिक और रहस्यमयी दुनिया में ले जाती है। यह 'स्टेटिगार्ड्स वर्सेज होलीगार्ड्स' नाम की नई फिल्म सीरीज की पहली मूवी है। इस कहानी को लाडो ओखोटनिकोव ने तैयार किया है। फिल्म में दो प्राचीन शक्तियों के बीच संघर्ष दिखाया गया है। एक पक्ष दुनिया में नियम और संतुलन बनाए रखने की बात करता है, जबकि दूसरा पक्ष अलग सोच और अलग रास्ते पर चलता है। इसी संघर्ष के बीच दिशा पाटनी का किरदार जेसिका सामने आता है, जो पूरी कहानी का सबसे अहम हिस्सा है। फिल्म में जेसिका को एक ऐसी लड़की के रूप में दिखाया गया है, जिसका संबंध दोनों विरोधी पक्षों से है। वह दोनों गुटों के लीडर की बेटी है। यही वजह है कि उसे दो अलग-अलग दुनियाओं के बीच एक पुल माना जा रहा है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि दुनिया का भविष्य उसी के फैसले पर निर्भर होता है। ट्रेलर में कई ऐसे सीन्स हैं, जहां जेसिका अपनी शक्तियों को समझने और उन्हें कंट्रोल करने की कोशिश करती है। उसके सामने सिर्फ दुश्मनों से लड़ने की चुनौती नहीं होती, बल्कि खुद को पहचानने और सही रास्ता चुनने की भी बड़ी जिम्मेदारी होती है।
ट्रेलर में दिशा पाटनी का एक्शन अवतार सबसे ज्यादा ध्यान खींचता है। वह कई खतरनाक लड़ाई वाले सीन्स में नजर आती हैं। कभी तलवारों के साथ, तो कभी रहस्यमयी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए दिशा दिखाई देती हैं। इस फिल्म की एक और खास बात इसकी स्टार कास्ट है। दिशा पाटनी के साथ फिल्म में हॉलीवुड के कई बड़े कलाकार भी नजर आएंगे। इनमें केविन स्पेसी, डॉल्फ लुंडग्रेन और टायरेस गिब्सन जैसे नाम शामिल हैं। दिशा पाटनी ने इस फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'मैं लंबे समय से इस ट्रेलर के रिलीज होने का इंतजार कर रही थी। पहली इंटरनेशनल मूवी में काम करना मेरे लिए एक साथ रोमांचक और डराने वाला अनुभव रहा। अलग-अलग देशों के कलाकारों के साथ काम करते हुए मुझे काफी कुछ सीखने को मिला।' दिशा ने कहा, ''मुझे हमेशा से एक्शन फिल्मों में काम करना पसंद रहा है। बॉलीवुड में मैंने जो अनुभव हासिल किया, अब उसे ग्लोबली दिखाने का मौका मिला है। यह मेरे करियर का बेहद खास पल है।''

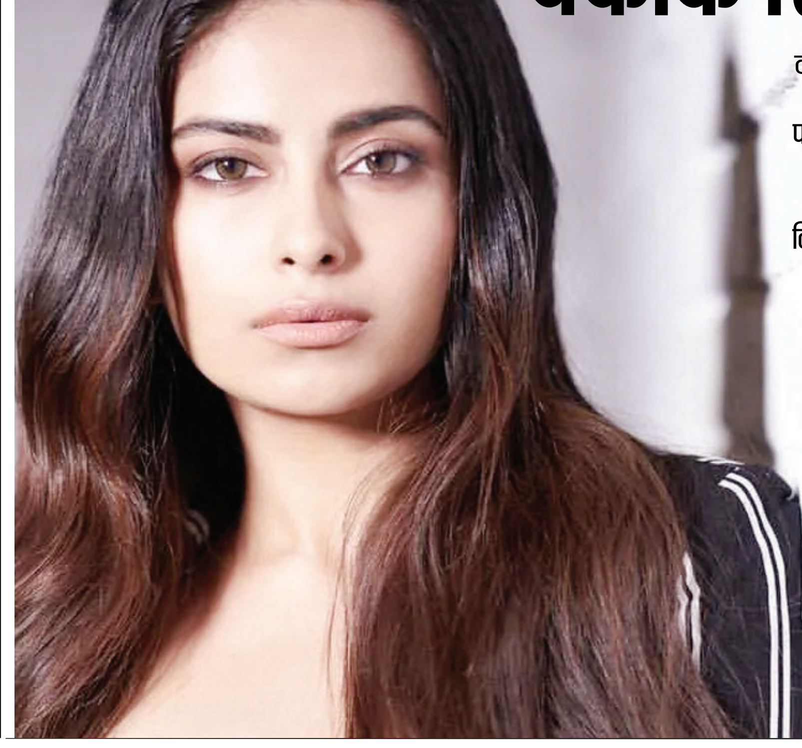

बैंकॉक शिफ्ट होने पर अविका गौर ने दी प्रतिक्रिया

टीवी शो 'बालिका वधू' से लोकप्रिय होने वाली अभिनेत्री अविका गौर शादी के बाद अपने पति मिलिंद चंदवानी के साथ बैंकॉक में शिफ्ट हो गई हैं। हालांकि, उनका कहना है कि उन्होंने टेलीविजन या फिल्मों से ब्रेक नहीं लिया है। वो अपना काम करना जारी रखेंगी। उन्होंने कहा कि ये कदम मिलिंद के लिए बेहतर अवसरों को देखते हुए उठाया गया है, जबकि उनके खुद के काम के सिलसिले में मुंबई से बाहर लंबे शेड्यूल तय किए गए हैं।

हम हमेशा एक-दूसरे के करियर में साथ देते हैं

अविका गौर ने कहा कि हम बैंकॉक शिफ्ट हो गए हैं और वहां एक घर भी खरीद लिया है, जिसे मैं अपनी पसंद के हिसाब से सजा रही हूं। पिछले साल शादी से पहले सात साल तक रिलेशनशिप में रहने के दौरान कपल ने हमेशा एक-दूसरे के करियर में सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह मिलिंद ने लंबे शूटिंग शेड्यूल के दौरान उनका साथ दिया, उसी तरह वह भी उन्हें विदेश में अवसर तलाशने से रोकना नहीं चाहती थीं। हम हमेशा से एक-दूसरे की तरक्की में सहयोग करने में भरोसा रखते आए हैं। अगर मुझे कोई ऐसा प्रोजेक्ट मिलता है, जिसके लिए मुझे महीनों तक घर से दूर रहना पड़ता है, तो वह पूरी तरह से मेरा साथ देते हैं। इसी तरह मुझे नहीं लगता कि मुझे भी उनकी तरक्की में बाधा डालनी चाहिए।

मैं अपने काम की वजह से यहां हूं

अपने करियर को लेकर जताई जा रही चिंताओं को दूर करते हुए अविका ने कहा कि जगह बदलने से उनकी प्रोफेशनल प्रियॉर्टीज में कोई बदलाव नहीं आया है। मुंबई में रहते हुए भी वह अक्सर शूटिंग के लिए हैदराबाद, राजमुंद्री और विशाखापत्तनम जैसे शहरों का सफर करती रहती थीं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे एहसास हुआ कि जरूरी नहीं कि मुंबई ही मेरा ठिकाना हो। मैं काम के सिलसिले में नियमित रूप से भारत आती-जाती रहती हूं। मेरी प्राथमिकता हमेशा मेरी प्रतिबद्धताएं रहेंगी क्योंकि इन्हीं की वजह से मैं आज इस मुकाम पर हूं।

दोस्तों ने किया समर्थन

अविका ने इस कदम के कारण प्रोजेक्ट छूटने की चिंताओं को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि काम आमतौर पर उनके शेड्यूल के अनुसार ही होता है और सहयोग आपसी प्रयासों पर निर्भर करता है। जब कोई मेरे साथ काम करना चाहता है, तो उसे यह प्रयास करना चाहिए। इंडस्ट्री के मेरे साथियों ने भी मेरे इस फैसले का समर्थन किया है। एक्ट्रेस ने कहा कि भले ही मेरा ठिकाना अब विदेश में है, लेकिन मेरी जड़ें भारत में ही मजबूती से टिकी हैं।

'खतरों के खिलाड़ी' में नजर आएंगी अविका

वर्कफ्रंट की बात करें तो अविका गौर जल्द ही 'खतरों के खिलाड़ी' के नए सीजन में नजर आएंगी। जल्द ही इस रियलिटी शो की शूटिंग भी शुरू होने वाली है। इस शो को एक बार फिर निर्देशक रोहित शेट्टी ही होस्ट करेंगे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।